

बारिश के चलते गणेश महोत्सव में बड़ा हादसा छज्जा गिरने से एक महिला की मौत, 12 घायल



लोक हस्तक्षेप संवाददाता

सीतापुर। शहर कोतवाली क्षेत्र स्थित पंजाबी धर्मशाला में बुधवार को गणेश महोत्सव के दौरान बारिश के बीच बड़ा हादसा हो गया। धर्मशाला का छज्जा अचानक गिरने से उसकी चपेट में आए लोगों में एक महिला की मौत हो गई जबकि करीब 12 लोग घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। घायलों में दो की हालत गंभीर बताई जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे तथा राहत एवं बचाव कार्य शुरू कराया। सभी घायलों को उपचार के लिए जिला अस्पताल भेजा गया। घटना के बाद प्रशासन और पुलिस की टीम हादसे के कारणों की जांच में जुटी हुई है। वहीं गणेश महोत्सव स्थल पर सुर्क्षा व्यवस्था को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं। अधिकारियों द्वारा घटना की जानकारी जुटाने के साथ ही मौके पर स्थिति का जायजा लिया जा रहा है।

सामूहिक विवाह समारोह के 22 दिन बाद भी नहीं उठा कचरा आरएमपी कॉलेज का खेल मैदान बना परेशानी का कारण



लोक हस्तक्षेप संवाददाता

सीतापुर। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत आरएमपी इंटर कॉलेज परिसर में आयोजित विवाह समारोह को संपन्न हुए 22 दिन बीत चुके हैं लेकिन कार्यक्रम के बाद छोड़ा गया कचरा अब तक नहीं उठाया गया है। वहीं समारोह के दौरान मैदान में खोदे गए गड्ढे भी नहीं भरे गए हैं। इससे स्वच्छता व्यवस्था पर सवाल उठने के साथ ही विद्यालय के विद्यार्थियों की खेल गतिविधियां भी प्रभावित हो रही हैं। आरएमपी इंटर कॉलेज के प्राचार्य ने बताया कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह कार्यक्रम के लिए समाज कल्याण विभाग को नोडल विभाग बनाया गया था। कार्यक्रम के बाद परिसर की साफ़-साफ़ी कचरा उठवाने तथा मैदान में खोदे गए गड्ढों को भरवाने की जिम्मेदारी भी संबंधित विभाग की थी। प्राचार्य के अनुसार उन्होंने इस संबंध में पत्राचार करने के साथ ही जिलाधिकारी सीतापुर को भी अवगत कराया लेकिन अभी तक मैदान से कचरा नहीं उठाया गया और न ही गड्ढों को भरा गया है। प्राचार्य ने यह भी बताया कि कॉलेज के गेट पर जेसीबी मशीन से नुकसान हुआ था लेकिन उसकी भी अभी तक मरम्मत नहीं कराई गई। मैदान में कचरा और गड्ढे होने के कारण बच्चों को खेलने और अभ्यास करने में परेशानी हो रही है जिससे उनकी खेल गतिविधियां प्रभावित हो रही हैं। वहीं इस संबंध में जिला समाज कल्याण अधिकारी सीतापुर से बातचीत की गई तो उन्होंने बताया कि बारिश के कारण कचरा उठवाने में दिक्कत आ रही थी। उन्होंने स्वीकार किया कि मैदान में खोदे गए गड्ढे भी अभी नहीं भरे गए हैं।

वाराणसी रोपवे में एनसीएमसी कार्ड से सफर कर सकेंगे यात्री

लोक हस्तक्षेप समाचार

वाराणसी। वाराणसी में रोपवे का संचालन जल्द ही शुरू होने वाला है। इसकी तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। इस संबंध में वाराणसी सिटी ट्रांसपोर्ट सर्विसेज लिमिटेड के निदेशक मंडल की 35वीं बैठक में कई मंडलायुक्त एस. राजलिंगम की अध्यक्षता में महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। इसमें नए रूटों पर बस सेवा शुरू और नेशनल कॉमन मोबिलिटी कार्ड से रोपवे को जोड़ना भी शामिल है। साथ ही यात्री एनसीएमसी कार्ड से ही रोपवे में भी सफर कर सकेंगे। बैठक में मारकंडेय महादेव, पंडित दीनदयाल उपाध्याय नगर, बाबतपुर और सिंधौरा जैसे नए रूटों पर बसें चलाने का फैसला किया गया। इससे शहरवासियों और पर्यटकों को आवागमन में सुविधा मिलेगी। काशी दर्शन बस सेवा का भी कायाकल्प किया जाएगा। इसमें ब्रॉडिंग बढ़ाने के साथ-साथ यात्रियों को मिलने वाली सुविधाओं का विस्तार होगा। नेशनल कॉमन मोबिलिटी कार्ड (एनसीएमसी) को सिटी बस और निर्माणधीन रोपवे दोनों से जोड़ा जाएगा। यात्री अब एक

एचपी गैस प्लांट के 250-300 ट्रक चालक हड़ताल पर

- उत्राव में सिलेंडर सप्लाई प्रभावित होने का दावा, सप्लाई पर असर**

लोक हस्तक्षेप समाचार

उत्राव। दही चौकी औद्योगिक क्षेत्र में हिंदुस्तान पेट्रोलियम के बॉटलिंग प्लांट में ट्रक चालकों ने बुधवार को हड़ताल शुरू कर दी। चालकों का आरोप है कि उनकी समस्याओं का समाधान नहीं हो रहा और उन्हें परेशान किया जा रहा है। इस हड़ताल से गैस सिलेंडरों की सप्लाई पर असर पड़ा है। हालांकि, प्लांट के अधिकारियों ने हड़ताल से इनकार किया है। उनका कहना है कि कुछ चालक अफवाह फैलाकर माहौल खराब कर रहे हैं। ही चौकी स्थित हिंदुस्तान पेट्रोलियम के बॉटलिंग प्लांट से लखनऊ, हरदोई, फतेहपुर, कानपुर और कानपुर देहात समेत 30 से ज्यादा जिलों की गैस एजेंसियों को घरेलू और व्यावसायिक गैस सिलेंडरों की सप्लाई होती है। प्लांट से रोजाना करीब 40 हजार सिलेंडर ट्रकों से भेजे जाते हैं। ऐसे में चालकों के विरोध से सप्लाई व्यवस्था पर असर पड़ने की बात कही जा रही है। चालकों का आरोप है कि मंगलवार दोपहर लखनऊ की एक गैस एजेंसी से उनके बाद एक नौ ट्रक भेजे गए। वहां पहुंचने पर पता चला कि एजेंसी में पहले से करीब एक हजार सिलेंडर मौजूद थे और खाली सिलेंडर भी नहीं थे। चालकों का कहना है कि ऐसी स्थिति में उन्हें बेवजह परेशानी का सामना करना पड़ता है। धरने में शामिल चालक सुहरलाल ने बताया कि उनका विरोध मंगलवार



दोपहर से चल रहा है। चालकों का आरोप है कि प्लांट परिसर में गाड़ियां अंदर लेने के बाद उन्हें लंबे समय तक बाहर निकलने की इजाजत नहीं मिलती। सुबह करीब छह बजे चालक गाड़ी लेकर परिसर में आते हैं और शाम करीब पांच बजे तक अंदर ही रहने को मजबूर होते हैं। चालकों का आरोप है कि इस दौरान गेट बंद कर दिया जाता है और उन्हें बाहर जाने की अनुमति नहीं होती। सुहरलाल ने बताया कि चालक चाहते हैं कि पहले की तरह लोडिंग के बाद गाड़ी बाहर निकाली जाए। इससे चालक चाय-पानी और खाने जैसी अपनी जरूरतें पूरी कर सकेंगे। उनका कहना है कि करीब आठ घंटे तक परिसर में बंद रखना ठीक नहीं है। चालकों ने प्लांट में पार्किंग की व्यवस्था न होने की समस्या भी उठाई। उनका कहना है कि सड़क किनारे गाड़ियां खड़ी करने

पर आरटीओ या प्रशासन की ओर से चालान किया जाता है, जबकि प्लांट के अंदर पर्याप्त पार्किंग व्यवस्था नहीं है। चालकों ने अधिकारियों के व्यवहार पर भी नाराजगी जताई। उनका आरोप है कि कई बार अधिकारियों की ओर से उनके साथ बदतमीजी से बात की जाती है। चालकों के मुताबिक मौके पर करीब 250 से 300 चालक मौजूद हैं और अपनी समस्याओं के समाधान की मांग कर रहे हैं। वहीं, प्लांट के अधिकारियों ने चालकों के हड़ताल पर होने से इनकार किया है। अधिकारियों का कहना है कि कुछ चालक अफवाह फैला रहे हैं। उनका कहना है कि प्लांट की व्यवस्था सामान्य रूप से संचालित की जा रही है। दोनों पक्षों के दावों के बीच गैस सिलिंडरों की आपूर्ति पर वास्तविक असर कितना पड़ा है, यह स्पष्ट नहीं हो सका है।

सहारा जमाकर्ताओं की धन वापसी में देरी और आंकड़ों में अंतर पर उठे सवाल

लोक हस्तक्षेप समाचार

‘दो आरटीआई जवाबों में पंजीकरण भुगतान और लंबित आवेदनों के आंकड़ों को लेकर जमाकर्ताओं ने मंगला स्पष्ट जवाब

सीतापुर। सहारा समूह की सहकारी समितियों के जमाकर्ताओं को धन वापसी की प्रक्रिया को लेकर दो अलग-अलग सूचना के अधिकार (आरटीआई) जवाबों में सामने आए आंकड़ों ने पारदर्शिता और प्रक्रिया की गति को लेकर सवाल खड़े किए हैं। हालांकि आरटीआई में दिए गए आंकड़ों की स्वतंत्र पुष्टि आवश्यक है लेकिन दोनों जवाबों में दर्ज संख्याओं के बीच अंतर को लेकर स्पष्ट स्पष्टीकरण की मांग उठ रही है। आरटीआई से प्राप्त जानकारी के अनुसार, 24 अक्टूबर 2025 के उत्तर में बताया

गया कि 10 नवंबर 2025 तक 16796469 जमाकर्ताओं ने पंजीकरण कराया था। इनमें 14045099 आवेदकों ने दस्तावेज सफलतापूर्वक जमा किए और 3435874 वैध जमाकर्ताओं को 6621.85 करोड़ रुपये उनके आधार से जुड़े बैंक खातों में लौटाए जाने की जानकारी दी गई। पोर्टल पर प्रस्तुत कुल दावा राशि 95732.50 करोड़ रुपये बताई गई। वहीं दूसरे आरटीआई उत्तर में जिसकी सूचना 3 सितंबर 2026 को उपलब्ध कराई गई 14948879 पंजीकरण 4156693 सत्यापित आवेदनों तथा 9267.89 करोड़ रुपये के भुगतान का उल्लेख किया गया है। साथ ही 39502796 आवेदनों में कमियां पाए जाने की बात सामने आई है।

पंजीकरण के आंकड़ों में अंतर क्यों?

दोनों आरटीआई जवाबों की

तुलना करने पर सबसे बड़ा सवाल पंजीकरण के आंकड़ों को लेकर उठता है। पहले जवाब में जहां 1.67 करोड़ से अधिक पंजीकरण बताए गए वहीं बाद के जवाब में यह संख्या लगभग 1.49 करोड़ दर्ज है। जमाकर्ताओं का सवाल है कि पंजीकरण की संख्या कम होने का कारण क्या है—क्या कुछ आवेदन निरस्त या हटाए गए आंकड़ों में संशोधन हुआ या दोनों जवाब अलग-अलग आधार और तरीखों पर तैयार किए गए? संबंधित कार्यालय से इसका स्पष्ट स्पष्टीकरण अपेक्षित है।सहकारिता मंत्रालय के आधिकारिक दस्तावेजों के अनुसार 29 मार्च 2023 को सर्वोच्च न्यायालय ने चार सहारा सहकारी समितियों के वास्तविक जमाकर्ताओं को भुगतान के लिए 5000 करोड़ रुपये सीआरसीएस को हस्तांतरित करने का निर्देश दिया था। भुगतान की निगरानी न्यायमूर्ति आर. सुभाष

रेड्डी और अमिकस क्युरी गौरव अग्रवाल की सहायता से किए जाने की व्यवस्था बताई गई थी।

कमियों वाले आवेदनों पर भी जवाबदेही का सवाल सरकारी व्यवस्था के अनुसार आवेदन में कमी मिलने पर जमाकर्ता को उसे दूर कर पुनः आवेदन प्रस्तुत करने की सुविधा दी गई है। सहकारिता मंत्रालय के आधिकारिक रिकॉर्ड में भी कमियों की जानकारी जमाकर्ताओं को देकर पुनः आवेदन की व्यवस्था किए जाने का उल्लेख है।इसके बावजूद आरटीआई में सामने आए करोड़ों कमी वाले आवेदनों को लेकर यह सवाल बना हुआ है कि इन कमियों का विस्तृत विवरण जमाकर्ताओं तक किस तरह पहुंचाया गया और सहारा समूह की संबंधित समितियों से पुराने अभिलेखों एवं दस्तावेजों को दुरुस्त कराने के लिए क्या कदम उठाए गए।

रेलवे ट्रैक पर मिला मजदूर का शव, तीन बेटियों के सिर से उठा पिता का साया

लोक हस्तक्षेप समाचार

उत्राव। अजगैन थाना क्षेत्र के गौरा कटरा गांव के पास बुधवार सुबह रेलवे ट्रैक पर एक युवक का शव मिलने से हड़कंप मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव की पहचान गौरा कटरा निवासी पिंटू (35) पुत्र मुन्नेलाल के रूप में कराई। प्रथमदृष्टया ट्रेन की चपेट में आने से उसकी मौत होने की बात सामने आई है। पिंटू मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करता था। उसके परिवार में पत्नी और तीन छोटी बेटियां हैं। मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। ग्रामीणों के मुताबिक पिंटू मंगलवार रात गांव स्थित अल्ट्राटेक की सीमेंट साइट पर



सीमेंट की बोरियां उतारने गया था। इसके बाद वह घर नहीं लौटा। परिजन रातभर उसकी तलाश करते रहे। बुधवार सुबह रेलवे ट्रैक के पास शव मिलने की सूचना पर ग्रामीण और परिजन मौके पर पहुंचे। वहां शव की पहचान पिंटू उर्फ मुंदीलाल के रूप में हुई।

ग्रामीण बजरंग सिंह के अनुसार, पिंटू रेलवे ट्रैक के पास शौच के लिए जा रहा था, इसी दौरान वह ट्रेन की चपेट में आ गया। हादसा रात में होने के कारण इसकी जानकारी सुबह हो सकी। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। दोपहर करीब तीन बजे

पोस्टमार्टम हाउस में परिजनों को मामले की जानकारी दी गई। पुलिस हादसे की परिस्थितियों की जांच कर रही है। ग्रामीणों ने पिंटू की तीनों छोटी बेटियों के भविष्य को देखते हुए प्रशासन से परिवार को नियमानुसार आर्थिक सहायता दिलाने की मांग की है।

के.पी. सिंह मेमोरियल इंस्टीट्यूट में राष्ट्रीय फार्माकोविजिलेंस सप्ताह का आयोजन

लोक हस्तक्षेप संवाददाता



सीतापुर। के.पी. सिंह मेमोरियल इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी में फार्माकोविजिलेंस प्रोग्राम ऑफ इंडिया के तत्वावधान में 17 से 23 सितंबर 2026 तक राष्ट्रीय फार्माकोविजिलेंस सप्ताह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन संस्थान के निदेशक प्रो. (डॉ.) अनूप कुमार सिरबैया के मार्गदर्शन तथा विभागाध्यक्ष वैशाली भागवानी के नेतृत्व में किया गया। उद्घाटन अवसर पर निदेशक प्रो. (डॉ.) अनूप कुमार सिरबैया ने कहा कि आधुनिक चिकित्सा व्यवस्था में दवाओं की सुरक्षा की निरंतर निगरानी बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रतिकूल दवा प्रतिक्रियाओं की पहचान एवं रिपोर्टिंग के प्रति जागरूक करते हुए कहा कि फार्मासिस्ट की जिम्मेदारी केवल दवा उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं है, बल्कि रोगी की सुरक्षा सुनिश्चित करना भी उसका महत्वपूर्ण दायित्व है। विभागाध्यक्ष वैशाली भागवानी ने फार्माकोविजिलेंस के व्यावहारिक पहलुओं पर प्रकाश डालते हुए ADR रिपोर्टिंग की संस्कृति को बढ़ावा देने पर जोर दिया। उन्होंने विद्यार्थियों से फार्मेसी के अकादमिक ज्ञान को जनस्वास्थ्य एवं दवा सुरक्षा से जोड़ने का आह्वान किया। सप्ताह के दौरान फार्माकोलॉजी विभाग द्वारा दवा सुरक्षा, रिपोर्टिंग टूल्स एवं PvPI की कार्यप्रणाली पर विशेष तकनीकी सत्र और व्याख्यान आयोजित किए गए। इसके अलावा पोस्टर एवं स्लोगन प्रतियोगिता, कि्रज तथा केस स्टडी परिचर्चा का आयोजन हुआ।

आज यूपी कर्फ्यू, दंगा, भय, गुंडागर्दी और अवैध कब्जे से मुक्त : मुख्यमंत्री योगी

गोरखपुर, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महिला सुरक्षा को लेकर समाजवादी पार्टी (सपा) पर एक बार फिर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि 2017 से पहले प्रदेश में ऐसी स्थिति थी कि कहावत चल पड़ी थी, ‘देख सपाई, बिटिया कबराई।’ अभिभावक बेटीयों की पढ़ाई और सुरक्षा को लेकर चिंतित रहते थे। तत्कालीन सरकार के गुंडों ने माहौल खराब कर रखा था। कई जिलों में बेटीयों की पढ़ाई संकट में थी। सपा के शोहदे उन्हें परेशान करते थे, जबरन उठा ले जाते थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि पूरे प्रदेश में गुंडागर्दी, जमीन पर कब्जे और अराजकता का माहौल था। जबकि आज उत्तर प्रदेश कर्फ्यू, दंगा, भय, गुंडागर्दी और अवैध कब्जे से मुक्त है। 2017 के बाद समाज और सरकार ने एक दिशा में काम किया तो इसके परिणाम सामने आए हैं। सीएम योगी बुधवार को चरगावांा में कृषि विभाग के बीज गोदाम के समीप



राजकीय महिला शरणालय के नवनिर्मित भवन के लोकार्पण समारोह को संबोधित कर रहे थे। 100 महिलाओं की क्षमता वाले सभी आवश्यक सुविधाओं से युक्त इस भवन के निर्माण पर 8 करोड़ 5 लाख 42 हजार रुपये की लागत आई है। लोकार्पण समारोह में

मुख्यमंत्री ने कहा कि घर छोड़ने को मजबूर किसी बेटी या घरेलू हिंसा की शिकार महिला को अब दर-दर की टोकर नहीं खानी पड़ेगी। गोरखपुर में 100 बेड का राजकीय महिला शरणालय ऐसी महिलाओं का संबल बनेगा। आधी आबादी को सम्मान और सुरक्षा देने के साथ स्वावलंबन के पथ पर आगे बढ़ाकर विकसित भारत की संकल्पना को पूरा करने के लिए सरकार लगातार काम कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बेटी के जन्म से लेकर उसकी पढ़ाई, विवाह, सुरक्षा और स्वावलंबन तक सरकार उसके साथ खड़ी है। मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना के तहत जन्म से स्नातक तक बेटी के लिए 25 हजार रुपये की सहायता दी जा रही है। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना में एक लाख रुपये की व्यवस्था की गई है। बेसिक शिक्षा परिषद के स्कूलों में 1.60 करोड़ बच्चों को युनिफॉर्म, बैग, किताब, जूते-मोजे और स्वेटर की सुविधा दी

जा रही है। उन्होंने कहा कि 1.10 करोड़ परिवारों को सालाना 12 हजार रुपये पेंशन और प्रदेश में 65 लाख गरीबों को प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत आवास दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि अच्छे लोगों को चुनने से अच्छी सुविधाएं मिलती हैं। कोरोना काल में निराश्रित हुए बच्चों को सरकार चार हजार रुपये प्रतिमाह सहायता दे रही है। ऐसे बच्चों को पढ़ाई में मदद के लिए लैपटॉप भी उपलब्ध कराए गए हैं। सीएम योगी ने रोजगार को लेकर विपक्ष, खासकर सपा पर निशाना साधते हुए कहा, ‘आप गिनते जाइए, हम नौकरी बांटते जाएंगे। आप गिनते-गिनते थक जाएंगे, हम यूपी के नौजवानों को नौकरी देते-देते नहीं थकेंगे।’ मुख्यमंत्री ने कहा कि मिशन रोजगार के तहत अब तक साढ़े नौ लाख से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी दी जा चुकी है। अलग-अलग क्षेत्रों में रोजगार की नई संभावनाएं बन रही हैं। प्रदेश में 96 लाख

एमएसएमई इकाइयों के माध्यम से तीन करोड़ लोगों को रोजगार मिला है। इनमें बड़ी संख्या में इकाइयों का संचालन महिलाएं कर रही हैं। 24 हजार से अधिक स्टार्टअप के साथ उत्तर प्रदेश का युवा अब नौकरी लेने वाला ही नहीं, बल्कि नौकरी देने वाला भी बन रहा है। सीएम योगी ने कहा कि लखपति दीदी, ड्रोन दीदी और बैंकिंग करिस्पोंडेंट सखी के रूप में महिलाएं स्वावलंबन की नई कहानी लिख रही हैं।

नारी वंदन अधिनियम के जरिए लोकसभा और विधानसभा में भी महिलाओं के प्रतिनिधित्व का रास्ता सुनिश्चित किया गया है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि 2017 से पहले पूर्वी उत्तर प्रदेश में इंसेफलाइटिस बच्चों को निगल जाती थी। अकेले बीआरडी मेडिकल कॉलेज में करीब 500 बच्चों की मौत होती थी। सरकार के प्रयासों से आज मौत का आंकड़ा शून्य पर पहुंच गया है।

कूटरचित दस्तावेज से दूसरे की जमीन का बैनामा कर 18 लाख हड़पे, दो गिरफ्तार

लखनऊ, संवाददाता। सुशांत गोल्फ सिटी थाना पुलिस ने कूटरचित दस्तावेज तैयार कर धोखाधड़ी करने के आरोप में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार आरोपियों ने दूसरे व्यक्ति की जमीन को अपना बताकर महिला और उसके पुत्र के नाम बैनामा कर दिया और इसके बदले 18 लाख रुपये ले लिए। दाखिल-खारिज नहीं होने पर महिला ने रकम वापस मांगी तो आरोपियों की ओर से दिए गए चेक भी बाउंस हो गए। मामले में पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया।पुलिस के मुताबिक 8 जुलाई 2026 को मंजुलता ने सुशांत गोल्फ सिटी थाने में शिकायत दी थी कि वह लखनऊ और आसपास आवासीय प्लॉट खरीदने के लिए जमीन तलाश रही थीं। इसी दौरान भानुप्रताप सिंह और जयप्रकाश सिंह ने कथित तौर पर कूटरचित दस्तावेज तैयार कर किसी अन्य व्यक्ति की जमीन का बैनामा उनके और उनके पुत्र के नाम कर दिया। इसके एवज में उनसे कुल 18 लाख रुपये लिए गए। बाद में जमीन का दाखिल-खारिज नहीं होने पर उन्होंने आरोपियों से अपनी धनराशि वापस मांगी। आरोप है कि आरोपियों ने उन्हें चेक दिए, जो बैंक में प्रस्तुत करने पर बाउंस हो गए। शिकायतकर्ता ने दोनों पर गाली-गलौज करने और जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप लगाया।शिकायत के आधार पर सुशांत गोल्फ सिटी थाने में मुकदमा संख्या 430/2026 के तहत धारा 318(4), 338, 336(3), 352, 351(3) और 3(5) बीएनएस में मुकदमा दर्ज किया गया। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस अग्रयुक्त दक्षिणी के निर्देशन में दो पुलिस टीमों का गठन किया गया। टीमों ने तकनीकी और मैनुअल साक्ष्यों तथा स्थायिय सूचना तंत्र की मदद से दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।गिरफ्तार आरोपियों की पहचान जयप्रकाश सिंह पुत्र अनंत बहादुर सिंह, निवासी ग्राम टोडपुर, थाना मोहनगंज, अमेठी, वर्तमान पता सेक्टर-1, कदमनखंड, थाना गोमतीनगर विस्तार, लखनऊ तथा भानुप्रताप सिंह उर्फ बच्चन सिंह पुत्र शिवप्रताप सिंह, निवासी पूरने बलवंत सिंह, पोस्ट हद्दा, थाना हरचंदपुर, रायबरेली के रूप में हुई है।पुलिस पृष्ठताछ में जयप्रकाश सिंह ने बताया कि वह और उसका जीजा भानुप्रताप सिंह उर्फ बच्चन सिंह जमीन की खरीद-फरोख्त का काम करते हैं।

भाजपा और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेष कुमार के अपवित्र गठबन्धन से रंगे हाथ पकड़ी गयी

लोक हस्तक्षेप समाचार लखनऊ। कांग्रेस सांसद उप नेता राज्य सभा प्रमोद तिवारी ने कहा है कि भगवान श्रीराम के मंदिर में चढ़ावा और चन्दा चोरी के बाद ‘‘मोदी सरकार’’ की संविधान तथा लोकतन्त्र की हत्या करके भाजपा और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेष कुमार के अपवित्र गठबन्धन से ‘‘वोट चोरी’’ करने की घटना रंगे हाथ पकड़ी गयी है, और इस बार गवाह कोई और नहीं बल्कि दो चुनाव आयुक्तों सुखबीर सिंह संधू जी और विवेक जोश है।

श्री तिवारी ने कहा है कि उन्होंने बताया है कि भाजपा सरकार को बहुमत दिलाने के लिये 10 माह में 14 बार ऐसे निर्णय लिये गये जिनमें इन दोनों चुनाव आयुक्तों की राय अलग थी । इन निर्णयों को देखने से यह साफ हो जाता है कि इन सभी निर्णयों में मुख्य चुनाव आयुक्त श्री ज्ञानेष कुमार ने भाजपा की मदद की। भाजपा प्रत्याषियों को जिताने में लगभग 12 करोड़ से अधिक मतदाताओं के मताधिकार पर प्रश्न चिह्न लगाया है, इससे हरियाणा, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल और असम में

भाजपा की चुनावी जीत की ‘‘वोट चोरी’’ पकड़ी गयी है। हरियाणा, महाराष्ट, पश्चिम बंगाल और असम की जितनी आबादी इस भयंकर वोट चोरी से प्रभावित हुई है वह दुनिया के बहुत से देशों की आबादी से भी अधिक है ।

श्री तिवारी ने कहा है कि यह भारत के लोकतन्त्र और संविधान की हत्या है जो कुछ हुआ है उससे भारत देश की तस्वीर दुनिया में खराब हुई है। इसी को कहते है ‘‘लोकतन्त्र की वेषभूषा में तानाशाही ।

एक बनाम दो के बहुमत से यह साफ हो गया है कि इन निर्णयों में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेष कुमार द्वारा असंवैधानिक ढंग से भाजपा की मदद की गयी, और इसीलिये इन राज्यों में चुनाव परिणाम बदल गये ।

श्री तिवारी ने कहा है कि समय आ गया है कि देश की महान जनता जागरूक हो तथा भारतीय जनता पार्टी के षडयंत्र को समझे, और अहिंसात्मक एवं लोकतांत्रिक ढंग से भाजपा सरकार को उखाड़ फेंके, ताकि लोकतंत्र और संविधान की रक्षा हो सके और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेष

कुमार के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत करके माननीय सर्वोच्च न्यायालय की देख रेख में जाँच हो, जिससे सच्चाई देश के सामने आ सके ।

श्री तिवारी ने कहा है कि अब समय आ गया है कि देश में जब भी निष्पक्ष चुनाव हों, तो एक ईमानदार और जनादेश के अनुरूप सरकार का गठन हो। क्योंकि आज देश को आजाद कराने वाले और अपने प्राणों का बलिदान करने वाले देश के महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों का अपमान हो रहा है, संविधान निर्माता बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर जी, डा. राजेन्द्र प्रसाद जी और पं. जवाहर लाल नेहरू जी का और उनके बनाये सिद्धांतों का अपमान हो रहा है।

श्री तिवारी ने कहा है कि संसद का ‘‘विशेष सत्र’’ बुलाया जाय, और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेष कुमार को उसमें बुलाकर उनकी जवाबदेही तय की जाय, और भारत के लोकतंत्र को अपवित्र करने के लिये उन्हें निलंबित करके उन पर संविधान सम्मत कार्यवाही की जाय, और उन पर मुकदमा कायम किया जाय ।

राज्यपाल ने ‘सेवा संकल्प अभियान-2026’ के अंतर्गत आयोजित स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का किया शुभारंभ

लखनऊ संवाददाता। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने जन भवन में ‘सेवा संकल्प अभियान-2026’ (17 सितम्बर से 17 अक्टूबर, 2026) के अंतर्गत किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय, लखनऊ के ट्रांसप्यूजन मेडिसिन विभाग द्वारा आयोजित स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का शुभारंभ किया। इस अवसर पर जन भवन में कार्यरत अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक स्वैच्छिक रक्तदान किया। शिविर में कुल 39 युनित रक्त एकत्रित किया गया। राज्यपाल ने रक्तदान करने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों से भेंट की तथा उनके इस मानवीय एवं सेवाभावी कार्य की सराहना करते हुए उन्हें एप्रिसिएशन सर्टिफिकेट प्रदान कर सम्मानित किया। उन्होंने रक्तदाताओं से व्यक्तिगत रूप से मिलकर उनका उत्साहवर्धन किया।‘सेवा संकल्प अभियान-2026’ के अंतर्गत आयोजित इस शिविर का उद्देश्य स्वैच्छिक रक्तदान को प्रोत्साहित करना तथा जरूरतमंद मरीजों के लिए रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करने में सहयोग प्रदान करना है। इस प्रकार के सेवा-आधारित



कार्यक्रमों के माध्यम से अधिकारियों एवं कर्मचारियों को समानजित एवं मानव सेवा के कार्यों में सक्रिय सहभागिता के लिए प्रेरित किया जा रहा है। इस अवसर पर राज्यपाल के विशेष कार्याधिकारी (अपर मुख्य सचिव स्तर) डॉ. सुधीर महादेव बोबडे, किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय, लखनऊ से अधिकार छैनकर मनमाने ढंग से नाम काटना पूरी तरह असंवैधानिक है। संजय सिंह ने कहा कि जब

आयोग के अंदर ही दो आयुक्त इसे गलत बता रहे हैं, तो ज्ञानेश कुमार किसके इशारे पर यह मनमानी कर रहे हैं? आज किसी भी विधानसभा में 50,000 वोट काट दिए जाते हैं और भाजपा 5,000 वोटों से जीतकर अपनी जीत का ढोल पीटने लगती है। यह



लखनऊ संवाददाता। जनविकास महासभा एवं सोकट द्वारा संयुक्त रूप से चलाए जा रहे विद्यार्थी प्रतिभा उत्सव कार्यक्रम के अंतर्गत आज सिटी पब्लिक हाई स्कूल, 60 फिट रोड,जानकीपुरम में विद्यार्थियों द्वारा नृत्य, गायन, संगीत, स्पीच इत्यादि प्रतिभा का प्रदर्शन किया गया। इस अवसर पर उन्हें प्रतिभा के प्रदर्शन के प्रति प्रोत्साहित करते हुये तनाव मुक्त शिक्षा और सफल जीवन के बारे में बताया गया। इस मौके पर जनविकास महासभा के अध्यक्ष पंकज तिवारी,

महामंत्री व परी पुस्तक केंद्र के प्रमुख अजय यादव, स्कूल संस्थापक प्रबन्धक आशा गुप्ता, प्रधानाचार्या दीप्ति गुप्ता, उप प्रधानाचार्या वैशाली सिन्हा, कोआर्डिनेटर अंकिता पाण्डेय, अध्यापिकाओं में महक तिवारी, दीपिका मिश्रा व साधना यादव आदि प्रमुख लोग मौजूद थे। इससे पहले कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए पंकज तिवारी ने विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि आज के विद्यार्थी कल के राष्ट्र निर्माता होंगे, अतः विद्यार्थियों को अपने

परिवार, समाज और राष्ट्र की जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक रहते हुए अपने स्वास्थ्य, पर्यावरण एवं जल संरक्षण तथा नशा मुक्त समाज की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभानी होगी। अतः उन्हें तनाव मुक्त शिक्षा एवं सफल जीवन जीने के लक्ष्य को लेकर आगे बढ़ना होगा इसके लिए उन्हें अपनी प्रतिभा के प्रति भी जागरूक होने होगाक्योंकि जो विद्यार्थी अपने टैलेंट को अनुरूप अपना करियर का चुनाव करते हैं उनके जीवन में सफल होने का प्रतिशत ज्यादा होता है।

ज्ञानेश कुमार को गिरफ्तार कर जेल भेजा जाए: संजय सिंह

लखनऊ संवाददाता। आम आदमी पार्टी के उत्तर प्रदेश प्रभारी और राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली, फॉर्म-6 में किए गए गैर-कानूनी बदलावों और देश की कानून-व्यवस्था को लेकर केंद्र की मोदी सरकार पर तीखा हमला बोला है। बुधवार को सोशल मीडिया के माध्यम से बयान जारी करते हुए सांसद संजय सिंह ने कहा कि देश में लोकतंत्र पूरी तरह खतरे में है। चुनाव आयोग के अंदर दो चुनाव आयुक्तों ने 14 बार असहमति दर्ज कराते हुए फॉर्म-6 में बदलाव और वोटों के जोड़ने-घटाने की केंद्रीकृत व्यवस्था को गैर-कानूनी बताया, लेकिन इसके बावजूद मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार तानाशाही रवैया अपनाते हुए एकतरफा फैसले ले रहे हैं। सांसद संजय सिंह ने कहा कि चुनाव आयोग

द्वारा वोटों को डिलीट करने और जोड़ने का जो नया केंद्रीकृत फॉर्मूला लागू किया गया है, उस पर खुद दो चुनाव आयुक्तों ने 14 बार लिखित विरोध दर्ज कराया है। उन्होंने साफ कहा था कि आपका यह तरीका गलत है और राज्यों के स्थानीय अधिकारियों (एसडीएम आदि) से अधिकार छीनकर मनमाने ढंग से नाम काटना पूरी तरह असंवैधानिक है। संजय सिंह ने कहा कि जब



कोई चुनाव नहीं, बल्कि मोदी, अमित शाह और ज्ञानेश कुमार की मिलीभगत से की जा रही वोटों की खुली लूट है। संजय सिंह ने कहा कि यह नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता नहीं, बल्कि उनकी शल्टूप्रियताप् है जिसके दम पर चुनाव जीते जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि

फॉर्म-6 के नियमों को जानबूझकर इतना जटिल बनाया गया है ताकि आम नागरिक इसे पूरा ही न कर सके। बंगाल में 60 लाख नाम काट दिए गए, 27 लाख नाम पेंडिंग रखे गए और बाद में हलफनामा देकर माना कि 93 फीसदी नाम बिल्कुल सही थे। उन्होंने सवाल किया कि जिन लाखों वैध नागरिकों को मताधिकार से वंचित किया गया, उस अपराध के लिए जेल कौन जाएगा? उन्होंने कहा कि दिल्ली में पूर्व उप प्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी, पूर्व सेना प्रमुख, विदेश मंत्री, विदेश सचिव, तीन बार के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल व उनके परिवार, मनीष रिसोदिया और कपिल सिब्बल तक के नाम काट दिए गए। यहां तक कि चुनाव आयुक्त संधू का नाम भी लिस्ट से गायब कर दिया गया। जब देश के शीर्ष

संक्षिप्त समाचार

व्हाट्सऐप पर ‘नो’ लिखते ही खाते से निकल गए 1.70 लाख रुपये

लखनऊ संवाददाता। साइबर ठगों ने बैंक खातों से रकम उड़ाने का एक नया तरीका अपनाया है, जिसमें पीड़ित को किसी संदिग्ध लिंक पर क्लिक करने या एक बार इस्तेमाल होने वाला पासवर्ड साझा करने की जरूरत भी नहीं पड़ती। ठा्ग व्हाट्सऐप के जरिए ऐसा संदेश भेजते हैं, जिसमें खाते से बड़ी रकम निकलने की जानकारी दी जाती है और लेनदेन नहीं करने पर ‘नो’ लिखकर जवाब देने को कहा जाता है। बताया जा रहा है कि जवाब देते ही मोबाइल में मौजूद एक छिपी हुई स्वचालित प्रक्रिया सक्रिय हो जाती है, जिसके जरिए ठा्ग मोबाइल तक पहुंच बनाने का प्रयास करते हैं।सामने आए एक मामले में एक चार्टर्ड अकाउंटेंट के आईसीआईसीआई बैंक और इंडसइड बैंक खातों से करीब 1.70 लाख रुपये निकल गए। पीड़ित के अनुसार उन्होंने किसी लिंक पर क्लिक नहीं किया था और न ही किसी को एक बार इस्तेमाल होने वाला पासवर्ड बताया था। उन्हें पहले व्हाट्सऐप पर खाते से करीब 90 हजार रुपये डेबिट होने का संदेश मिला। इसके कुछ ही देर बाद दूसरा संदेश आया, जिसमें पूछा गया कि यदि यह लेनदेन उन्होंने नहीं किया है तो ‘नो’ लिखकर जवाब दें। पीड़ित ने निर्देश के अनुसार जवाब दिया और इसके बाद उनके बैंक खातों से रकम निकल गई।साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों के अनुसार इस तरह के संदेशों का उद्देश्य लोगों में घबराहट पैदा कर उनसे तत्काल प्रतिक्रिया करवाना होता है। संदेश में छिपी संदिग्ध फाइल या अनुसंधान की माध्यम के जरिए मोबाइल तक अनधिकृत पहुंच बनाने का प्रयास किया जा सकता है। हालांकि, किसी संदेश का जवाब देना अपने आप में हर स्थिति में मोबाइल का पूरा नियंत्रण ठगों को दे देता है, ऐसा सामान्य रूप से नहीं माना जा सकता; ठगी का तरीका इस्तेमाल किए गए उपकरण, फाइल, अनुमति और सुरक्षा व्यवस्था पर निर्भर करता है।ऐसे मामलों से बचने के लिए अनजान नंबर से बैंक खाते में लेनदेन संबंधी कोई संदेश आने पर उसका जवाब नहीं देना चाहिए। संदेश में दिए किसी नंबर, लिंक या निर्देश के आधार पर कार्रवाई करने के बजाय बैंक के आधिकारिक अनुप्रयोग या बैंक की आधिकारिक वेबसाइट से खाते का विवरण और शेष राशि जांचनी चाहिए। बैंक से संपर्क करने के लिए केवल बैंक के आधिकारिक ग्राहक सेवा माध्यमों का इस्तेमाल करना चाहिए। किसी भी संदिग्ध फाइल को खोलने या मोबाइल में अनावश्यक अनुमति देने से बचना चाहिए। यदि खाते से अनधिकृत रूप से निकल जाए तो तत्काल बैंक को सूचित कर खाते को सुरक्षित कराने के साथ साइबर अपराध हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत दर्ज करानी चाहिए।

कर्मचारी नेता का निधन

लखनऊ संवाददाता। उत्तर प्रदेश राज्य कर्मचारी महासंघ के संरक्षक एवं उत्तर प्रदेश मिनिस्ट्रीयल सर्विसेज एसोसिएशन के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष नरेंद्र प्रताप सिंह का हृदय गति रुकने से देर रात निधन हो गया। बुधवार को इंदिरा नगर स्थित उनके निवास से शयनांत्र बंधन पहुंची। सुबह 11 बजे गोमती नदी किनारे बेकुण्ट धाम में उनका अंतिम संस्कार किया गया। चिता को मुखानि उनके पुत्र कुशबुद्ध सिंह ने दी। अंतिम संस्कार में अखिल भारतीय राज्य सरकारी पेंशनर्स फेडरेशन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एसपी सिंह, अमरनाथ यादव, बीएल कुशवाह, ओपी त्रिपाठी, अंगद सिंह, कमलेश मिश्रा, हेमंत गुजर, अशोक सिंह, परमेश्वर सिंह, परवेज खान, अफीफ सिद्दीकी, हमेंद्र सिंह, श्याम सिंह, संदीप पांडे, मंसूर अली, देवेंद्र यादव, शैलेंद्र यादव और पवन द्विवेदी सहित सैकड़ों सेवानिवृत्त व सेवावत कर्मचारी मौजूद रहे।

बारिश’ लेकर आएगी लखनऊ में संगीत लोककला और तहजीब का रंग

लखनऊ संवाददाता। मानसून की विदाई के साथ ही लखनऊ में एक ऐसी शाम सामने आ रही है, जो बारिश को महज मौसम नहीं, बल्कि संगीत, कला, किस्सागोई, शिल्प, स्वाद, खुशबू और सांस्कृतिक स्मृतियों के जीवंत उत्सव के रूप में सामने लाएगी। ‘बारिश टू आर्ट।म्यूजिक।मानसून’ शनिवार, 26 सितंबर 2026 को होटल क्लार्क्स अवध, लखनऊ में अपने रंग बिखेरींग।एक्सक्लूसिव्स ईवेंट्स द्वारा क्यूरेट एवं निर्मित यह विशेष शाम सावन की सांस्कृतिक विरासत और लखनऊ की तहजीब को एक अनूठे अनुभव में परिणीएगी। शाम की शुरुआत अस्करी नकवी की भावपूर्ण और सुफियाना संगीत प्रस्तुति से होगी। इसके बाद चर्चित कवि तथा संगीत एवं सिनेमा के उद्येता यतीन्द्र मिश्र अपनी प्रस्तुति के माध्यम से संगीत, साहित्य और सिनेमा के विविध रंगों से रूबरू कराएंगे। शाम की अपनी ऊर्जावान प्रस्तुति से द कुटले खान प्रोजेक्ट आगे बढ़ाएगा, जो दर्शकों को लोक और सुफी संगीत की समृद्ध परंपराओं की जीवंत यात्रा पर ले जाएगा।कार्यक्रम का संचालन वाराणसी के सौरभ चक्रवर्ती करेंगे, जो प्रस्तुतियों, संवादों और शाम से जुड़े विभिन्न अनुभवों को एक सूत्र में पिरोते हुए इस सांस्कृतिक उत्सव को आगे बढ़ाएंगे। लखनऊ में ‘बारिश’ का अनुभव संगीत और प्रस्तुतियों से आगे बढ़ते हुए सांस्कृतिक संवादों, ‘बारिश बाजार’, हस्तशिल्प, चुनिंदा खान-पान एवं पेय और विविध अनुभवात्मक गतिविधियों के माध्यम से जीवंत होगा। यह आयोजन लखनऊ की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, उसकी तहजीब और जीवन के विविध रंगों को एक साझा मंच पर प्रस्तुत करेगा। दर्शकों को बारिश से जुड़ी स्मृतियों, भावनाओं, लोक परंपराओं और सांस्कृतिक अभिव्यक्तियों के विभिन्न रूपों से रूबरू होने का अवसर मिलेगा। इन सभी अनुभवों के माध्यम से ‘बारिश’ सावन की बदलती मनोदशाओं और लखनऊ की विशिष्ट सांस्कृतिक पहचान को एक साथ पिरोते हुए ऐसी शाम रचेगी, जिसे दर्शक केवल देखेंगे और सुनेंगे नहीं, बल्कि महसूस भी करेंगे।मानसून का बहु-शहरी उत्सव ‘बारिश’ दिल्ली से देश के विभिन्न शहरों तक अपनी यात्रा के दौरान भारत की साझा और समन्वयी संस्कृति में बारिश की विविध अभिव्यक्तियों को तलाशता आया है। दिल्ली के सफल उध्यायों और जयपुर संस्करण के बाद अब ‘बारिश’ लखनऊ पहुंच रही हैक्यूए ऐसे शहर में, जिसकी सांस्कृतिक पहचान मेहमानवाजी, संगीत, शायरी, खान-पान, शिल्प और तहजीब की समृद्ध परंपराओं से गहराई से जुड़ी है। लखनऊ में ‘बारिश’ इसी सांस्कृतिक विरासत के विभिन्न रंगों को बारिश से जुड़ी स्मृतियों, भावनाओं और परंपराओं के साथ जोड़ते हुए एक अनूठे अनुभव प्रस्तुत करेगी।

पुलिस ने वारंटी आरोपी को किया गिरफ्तार

लखनऊ संवाददाता। मोहनलालगंज थाना पुलिस ने न्यायालय से जारी गैर जमानती वारंट के तहत एक वारंटी आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार उपनिरीक्षक सौरभ सिंह पुलिस टीम के साथ न्यायालय से जारी गैर जमानती वारंट के अनुपालन में वांछित आरोपी को तलाश कर रहे थे।

भटकी वृद्ध महिला को कैट पुलिस ने बिहार से आए परिजनों को सौंपा

लखनऊ संवाददाता। कैट थाना पुलिस ने सदर बाजार रेलवे क्रॉसिंग के पास भटकती मिली वृद्ध महिला को अथक प्रयास के बाद उसके परिजनों से मिलानेक संकुशल उनके सुपुर्द कर दिया। पुलिस के अनुसार 20 सितंबर को डायल 112 के माध्यम से सूचना मिली थी कि सदर बाजार रेलवे क्रॉसिंग के पास एक वृद्ध महिला अकेली बैठी है। सूचना पर कैट पुलिस मौके पर पहुंची और महिला से उसका नाम-पता पूछा। महिला ने अपना नाम हीरामती बताया, लेकिन वह अपना पता स्पष्ट रूप से नहीं बता पा रही थी। काफ़ी प्रयास के बाद महिला ने अपने गांव का नाम लखौरा बताया। पुलिस ने जानकारी जुटाई तो पता चला कि लखौरा बिहार के पूर्वी चंपारण जिले में स्थित है।इसके बाद कैट पुलिस ने बिहार की स्थानीय पुलिस से दूरभाष के माध्यम से संपर्क कर वृद्ध महिला के बारे में जानकारी दी और उसके परिजनों से संपर्क करने का अनुरोध किया। बिहार पुलिस के सहयोग से महिला के मायके की जानकारी प्राप्त की गई और उसके भतीजे रिषभ राज पुत्र राम पुकार साहनी, निवासी लखौरा, थाना लखौरा, जिला पूर्वी चंपारण, बिहार का मोबाइल नंबर उपलब्ध कराया गया।

तेल, संप्रभुता, दबाव और भारत : ट्रम्प के रूस पर प्रतिबंध

असद मिर्ज़ा

शिंपटन के रूस-प्रतिबंध कानून पर भारत की चेतावनी महज टैरिफविवाद नहीं है। यह रणनीतिक स्वायत्तता, ऊर्जा सुरक्षा और बाहरी दबाव के बिना विदेश नीति चलाने के अधिकार की रक्षा है। चीन की सतर्क प्रतिक्रिया एक बड़े मुकाबले की ओर इशारा करती हैरू एशिया के आर्थिक फैसले कौन तय करेगा, जबकि युद्ध, व्यापार और तेल आपस में जुड़ते जा रहे हैं। अमेरिका अपनी रूस नीति को आर्थिक दबाव के व्यापक हथियार में बदल रहा है। अमेरिकी प्रतिनिधि सभा ने स्लिंडसे ओ. ग्राहम रूस और ईरान प्रतिबंध अधिनियम 202६य पारित किया है, जो राष्ट्रपति ट्रम्प को रूसी तेल-नैस खरीदने वाले देशों पर 100 प्रतिशत तक टैरिफलगाने का अधिकार देता है। यह विधेयक 262-159 मतों से पारित हुआ और रूस के ऊर्जा-रक्षा क्षेत्रों के साथ उसके रछया बेइश्च को भी निशाना बनाता है, जिस पर मॉस्को को प्रतिबंधों से बचने में मदद करने का आरोप है। भारत के लिए असली मुद्दा यह नहीं कि दंडात्मक टैरिफरूसी तेल को महंगा बना देगा, बल्कि यह कि क्या वाशिंगटन नई दिल्ली की ऊर्जा और विदेश नीति की शर्तें तय कर सकता है। भारत के



विदेश मंत्रालय ने चेतावनी दी है कि प्रस्तावित उपाय द्विपक्षीय संबंधों को प्रभावित कर सकते हैं, साथ ही भारत अपनी ऊर्जा सुरक्षा, व्यापार और आर्थिक हितों की रक्षा के लिए रसभी आवश्यक कदम्य उठाएगा। यह भाषा सोच-समझकर चुनी गई है। नई दिल्ली ने, न तो जवाबी कार्रवाई की धमकी दी, न वाशिंगटन से बातचीत नकारी, बल्कि इस विवाद को संप्रभुता के दायरे में रखा। भारत का तर्क है कि वह राष्ट्रिय जरूरतों, बाजार हालात और आपूर्ति की उपलब्धता के आधार पर तेल खरीदता है, न कि यूक्रेन युद्ध में रूस के समर्थन के रूप में। इसका एक पुराना सिद्धांत भी है रू किसी दूसरे देश के प्रतिबंधों को उसके अधिकार-क्षेत्र से बाहर स्तररू स्वीकार नहीं किया जाएगा। इस दृढ़ प्रतिक्रिया के पीछे आर्थिक हित हैं। वित्त वर्ष 2026 में

रूस भारत के तेल आयात का लगभग 30.3 प्रतिशत आपूर्ति करता रहा, जिसकी कीमत लगभग 40.8 अरब डॉलर थी। जुलाई में रूसी आपूर्ति भारत के आयातित तेल के आधे से अधिक तक पहुंच गई, जो अमीरात, सऊदी अरब, वेनेजुएला, ब्राजील, ओमान और अमेरिका की कुल आपूर्ति से भी अधिक थी। यह निर्भरता केवल व्यावस्थायिक नहीं है। रूसी तेल ने भारतीय रिफ़इनरियों को ऐसे समय में रियायती दरों पर तेल हासिल करने में मदद दी है जब मध्य-पूर्व में संघर्ष, आपूर्ति में व्यवधान और अस्थिरता बनी हुई है। रूसी आपूर्ति की जगह लेना न तुरंत संभव होगा, न बिना कथमने के। भारत सऊदी अरब, इराक, अमीरात, अमेरिका, बाजील या वेनेजुएला से अधिक तेल खरीद सकता है, पर वैकल्पिक खेप महंगी या कम

भरोसेमंद हो सकती है। होमुंज जलडमरूमध्य अब भी अहम ऊर्जा गलियारा है, जबकि पश्चिम एशिया के संघर्ष ने कीमतों और शिपिंग बीमा की अनिश्चितता बढ़ा दी है। रूसी आयात में जबरन कमी भारत में ईंधन, परिकहन और औद्योगिक उत्पादन की लागत बढ़ सकती है। इसका असर तेल बाजार से भी आगे जाएगा। भारतीय निर्यातक पहले से अमेरिकी व्यापारिक कध्दमों के सामने कमजोर हैं। 1०0 प्रतिशत टैरिफकई भारतीय उत्पादों को अमेरिकी बाजार में प्रतिस्पर्धी नहीं रहने देगा, जिससे टेक्सटाइल, इंजीनियरिंग, दवाइयों, रसायनों और छोटे उद्योगों पर दबाव बढ़ेगा। इसका झटका रोजगार और निर्यात आय कमजोर कर सकता है और व्यापार वार्ता और जटिल बना सकता है, यही वजह है कि विश्लेषक इसे भारत के खिलाफ सौदेबाजी का हथियार भी मानते हैं। यहीं ट्रम्प का पहलू महत्वपूर्ण हो जाता है। ट्रम्प टैरिफको व्यापारिक संरक्षण से ज्यादा दबाव का साधन मानते हैं। उनका प्रशासन इसे घरेलू स्तर पर रूस के युद्ध को वित्तीय मदद देने वाली सरकारों को दंडित करने के तरीके के रूप में पेश कर सकता है, जबकि भारत के खिलाफ धमकी का इस्तेमाल व्यापार, बाजार पहुंच और ऊर्जा खरीद से जुड़ी रियायतें हासिल

करने के लिए कर सकता है। यह कानून वार्ता के मकध्मद को भी पूरा कर सकता है। भारत-अमेरिका के बीच द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर बातचीत चल रही है, पर टैरिफ कृषि पहुंच, औद्योगिक संरक्षण और नियामक मानकों पर मतभेद बने हुए हैं। सख्त टैरिफ की धमकी ऐसा माहौल बनाती है जिसमें नई दिल्ली पर कम अनुकूल शर्तों पर समझौता स्वीकार करने का दबाव बढ़ सकता है। भारतीय विश्लेषकों के अनुसार रूस का मुद्दा भारत को अ समान व्यापार समझौते के लिए मजबूर करने का बहाना बन सकता है। ट्रम्प की गणना घरेलू राजनीति से भी प्रभावित हो सकती है। रूस के खिलाफसख्ती उन सांसदों को पसंद है जो यूक्रेन युद्ध पर एक कड़ा रुख चाहते हैं, जबकि टैरिफ उन मतदाताओं को भाते हैं जो व्यापारिक दबाव को अमेरिकी उद्योग की रक्षा का जरिया मानते हैं। प्रतिबंधों और टैरिफ को मिलाकर प्रशासन को लचीला हथियार मिल जाता हैरू अधिकतम दंड की धमकी, बिना अनिवार्य अमल के, जबकि बातचीत की गुंजाइश भी बनी रहती है। हालांकि इस नीति में एक विरोधाभास है। यदि अमेरिका वाकई रूस की तेल आय कम करना चाहता है, तो भारत को रूसी तेल छोड़ने पर

मजबूर करना वैश्विक आपूर्ति में बाधा डाल सकता है और कीमते बढ़ सकता है। भारतीय रिफ़इनरियां रूसी तेल की इकलौती खरीदार नहीं हैं, और यह तेल आसानी से दूसरे नेटवर्क से बिक सकता है। वैश्विक कीमतों में बढ़ोतरी मॉस्को की प्रति बैरल आय बढ़ सकती है, भले ही निर्यात मात्रा घटे। यह धमकी रूस को निर्णायक रूप से कमजोर किए बिना अमेरिकी सहयोगियों और उपभोक्ताओं को नुकसान पहुंचा सकती है। चीन की प्रतिक्रिया इस संकट में एक और परत जोड़ती है। बीजिंग भारत से कहीं बड़ा रूसी ऊर्जा खरीदार है, फिर भी चीनी टिप्पणियां खुले टकराव के बजाय सतर्क रही हैंकृएक सोची-समझी रणनीति के तहत। चीन वाशिंगटन को व्यापक व्यापारिक टकराव का आसान बहाना नहीं देना चाहता, खासकर जब उसकी अर्थव्यवस्था पहले से अमेरिकी टैरिफ और तकनीकी प्रतिबंधों की चपेट में है। साथ ही, बीजिंग यह स्वीकार करने की संभावना नहीं रखता कि वाशिंगटन तय करे कि एशियाई देश किन ऊर्जा आपूर्तिकर्ताओं का उपयोग कर सकते हैं।चीन की सतर्कता एक रणनीतिक धैर्य का रूप भी ले सकती है। बीजिंग यह देख सकता है कि क्या अमेरिका वाकई अधिकतम टैरिफलागू करता है, क्या

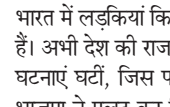
भारत प्रतियोगी या बातचीत करता है, और क्या यूरोपीय देशों को झूट मिलती है। कोई भी दोहरा मापदंड चीन के इस तर्क को मजबूत करेगा कि नियम-आधारित वैश्विक व्यवस्था अमेरिकी हितों के अनुसार चुनिंदा ढंग से लागू की जा रही है।भारत के लिए भू-राजनीतिक नतीजे भी महत्वपूर्ण हैं। यह विवाद भारत-अमेरिका रणनीतिक साझेदारी की गति कमजोर कर सकता है, जो चीन को लेकर साझा चिंताओं और रक्षा, तकनीक व हिंद-प्रशांत सहयोग के आधार पर बढ़ी है। वाशिंगटन का दबाव नई दिल्ली को मुश्किल स्थिति में डालता हैरू उससे चीन के खिलाफकम्प्रीबी तालमेल की उम्मीद की जाती है, जबकि रूस से स्वतंत्र संबंध बनाए रखने पर उसे दंडित किया जा रहा है। यह विरोधाभास भारत को और रक्षा, तकनीक व हिंद-प्रशांत सहयोग के आधार पर बढ़ी है। वाशिंगटन का दबाव नई दिल्ली को मुश्किल स्थिति में डालता हैरू उससे चीन के खिलाफकम्प्रीबी तालमेल की उम्मीद की जाती है, जबकि रूस से स्वतंत्र संबंध बनाए रखने पर उसे दंडित किया जा रहा है। यह विरोधाभास भारत को और रक्षा, खासकर जब उसकी अर्थव्यवस्था पहले से अमेरिकी टैरिफ और तकनीकी प्रतिबंधों की चपेट में है। साथ ही, बीजिंग यह स्वीकार करने की संभावना नहीं रखता कि वाशिंगटन तय करे कि एशियाई देश किन ऊर्जा आपूर्तिकर्ताओं का उपयोग कर सकते हैं।चीन की सतर्कता एक रणनीतिक धैर्य का रूप भी ले सकती है। बीजिंग यह देख सकता है कि क्या अमेरिका वाकई अधिकतम टैरिफलागू करता है, क्या

रूसी तेल छोड़ने की संभावना नहीं रखता। ऐसा करने के तात्कालिक नुकध्सान हैं, जबकि कूटनीतिक लाभ अनिश्चित हैं। फिर भी, अगर झूट कम हो, प्रतिबंधों का जोखिम बड़े या वैकल्पिक आपूर्ति प्रतिस्पर्धी हो जाए, तो नई दिल्ली धीरे-धीरे निर्भरता घटा सकती है। ऐसा बदलाव बाजार-आधारित समायोजन होगाय टैरिफके दबाव में लिया फैसला अलग नजर से देखा जाएगा। असली सवाल यह नहीं कि भारत रूस का समर्थन करता है, बल्कि यह कि क्या कोई बड़ी शक्ति ऐसे दौर में रणनीतिक स्वायत्तता बनाए रख सकती है जब व्यापार, वित्त और प्रतिबंध तेजी से हथियार बनाए जा रहे हैं। ट्रम्प की टैरिफधमकी भारत की ऊर्जा निर्भरता को अमेरिकी दबाव में बदलने की कोशिश करती है, जबकि भारत की प्रतिक्रिया इस दबाव को राजनीतिक अधीनता में बदलने से रोकने की कोशिश करती है। इसका नतीजा कच्चे तेल की कथमत से कहीं अधिक असर डलेगा। यह बिखरती वैश्विक अर्थव्यवस्था में संप्रभुता की सीमाएं तय करने में मदद करेगा और यह तय करेगा कि क्या एशियाई शक्तियां वाशिंगटन से आर्थिक रूप से जुड़े रहते हुए भी स्वतंत्र फैसले ले सकती हैं या नहीं।



सम्पादकीय

लड़कियों के लिए खतरनाक बनता देश



भारत में लड़कियां कितनी असुरक्षित हैं, इसके रोजाना उदाहरण सामने आते हैं। अभी देश की राजधानी दिल्ली में एक के बाद एक बलात्कार की भयावह घटनाएं घटीं, जिस पर भाजपा सरकार से सवाल किए गए, तो जवाब में भाजपा ने पलट कर पिछली सरकारों के वक्त घटे प्रकरण याद दिला दिए। मतलब भाजपा की नजरों में महिला सम्मान, सशक्तीकरण, सुरक्षा ये सारी बातें दलगत राजनीति के तहत ही आती हैं। चुनावों का वक्त आए तो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से लेकर गृहमंत्री अमित शाह तक दावे करते हैं कि भाजपा ने महिलाओं के लिए सुरक्षित माहौल बनाया है। उत्तर प्रदेश में अमित शाह ने आधी रात को स्कूटी में गहने पहन कर निकलने वाला बयान दिया था। इसी तरह बिहार में भाजपा विधायक मैथिली ठाकुर ने एनडीए सरकार की कानून व्यवस्था की प्रशंसा में विधानसभा में बयान दिया था कि पहले हमसे कहा जाता था कि शाम को पांच-छह बजे भी गाड़ी से मत निकलो, लेकिन अब ऐसा नहीं है। हम रात-रात भर घूम सकते हैं। मैं खुद रात तीन बजे दरभंगा से पटना बहुत सुरक्षित आईं। लेकिन अब उसी बिहार के जमुई में शाम सात बजे दो नाबालिगों को सरेराह रोक कर लड़की से बलात्कार की कोशिश की गई, लेकिन मैथिली ठाकुर बता नहीं पा रही हैं कि जो सुरक्षा उन्हें मिली वो एक साधारण परिवार की लड़की को क्यों नहीं मिली। मैथिली ठाकुर तो खैर भाजपा की परंपरा के मुताबिक निर्लज्ज बयान दे सकती हैं कि ये मामला उनके क्षेत्र का नहीं है, इसलिए वो कुछ नहीं कह रही। लेकिन इसी मुद्दे पर भाजपा विधायक और बिहार की खेल मंत्री श्रेयसी सिंह ने इससे भी बढ़कर ये बयान दिया कि अगर किसी को मॉरल पुलिसिंग यानी नैतिकता की स्वघोषित ठेकेदारी करनी है, तो थोड़ा सभ्य तरीके से की जा सकती है। जमुई मामले में भाजपा विधायक का ऐसा बयान अब आश्चर्यचकित भी नहीं करता है, क्योंकि एक नहीं सैकड़ों बार भाजपा नेताओं ने ऐसे ही महिला और संविधान विरोधी बयान दिए हैं। जानकारी के लिए बता दें कि 19 सितंबर को बिहार के जमुई में शाम सात बजे एक नाबालिग लड़का और लड़की स्कूटी पर जा रहे थे, तभी कई लोगों ने उन्हें बीच रास्ते में रोक लिया। इसके बाद उनसे तरह-तरह के सवाल उनके रिश्तों को लेकर किए और इस बीच एक व्यक्ति ने लड़की को उठकर उसके अंदरूनी अंगों पर जबरन हाथ लगाया, उसे खींचा और इसका बाकायदा वीडियो बनाकर इंटरनेट पर वायरल भी किया। दोनों बच्चे गुंडों के सामने गिड़गिड़ाते रहे, लेकिन उनकी धिन्नौनी हरकत नहीं रकी। ज्यादा दुख की बात यह है कि इस वीडियो को बहुत से लोगों ने बाकायदा अश्लील गीतों के साथ और ज्यादा प्रसारित किया।

दीनदयाल उपाध्याय : साधारण जीवन, असाधारण विचार

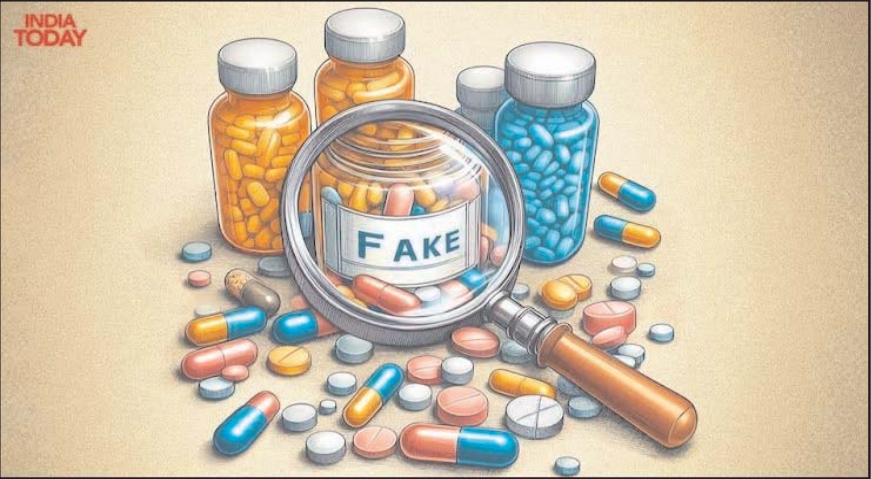
कुछ व्यक्तित्व अपने जीवन की लंबाई से नहीं बल्कि अपने विचारों की गहराई और कर्मों की व्यापकता से इतिहास में स्थान बनाते हैं। पं. दीनदयाल उपाध्याय ऐसे ही व्यक्तित्व थे। साधारण जीवन जीते हुए उन्होंने भारतीय राजनीति, समाज और अर्थचिंतन को भारतीय संस्कृति और परंपरा से जोड़ने का प्रयास किया। उनका जीवन सादगी, अनुशासन, संपाठन, राष्ट्रसेवा और वैचारिक प्रतिबद्धता का उदाहरण रहा। उनकी जयंती केवल एक राजनीतिक व्यक्तित्व को याद करने का अवसर नहीं बल्कि उनके विचारों और सार्वजनिक जीवन की भूमिका को समझने का अवसर भी है। 25 सितंबर 1916 को मथुरा जिले के नाला चंद्रभाग गांव में जन्मे दीनदयाल उपाध्याय का बचपन कठिन परिस्थितियों में बीता। कम उम्र में ही उन्होंने माता-पिता को खो दिया और उनका पालन-पोषण रिश्तेदारों के संरक्षण में हुआ। कठिनाइयों के बावजूद शिक्षा के प्रति उनका लगाव कम नहीं हुआ। वे पढ़ाई में अत्यंत प्रतिभाशाली थे और विभिन्न स्तरों पर छात्रवृत्तियां प्राप्त करते रहे। पिलानी में शिक्षा के बाद उन्होंने कानपुर के सनातन धर्म कॉलेज में अध्ययन किया। 1937 में छत्र जीवन के दौरान उनका संपर्क राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से हुआ। आगे चलकर उन्होंने अपना जीवन पूर्णकालिक संगठनात्मक कार्य को समर्पित कर दिया। दीनदयाल उपाध्याय के लिए राजनीति केवल सत्ता प्राप्त करने का माध्यम नहीं थी, वे इसे समाज और राष्ट्र की सेवा का साधन मानते थे। 1951 में भारतीय जनसंघ की स्थापना के समय वे उसके संगठन निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका में आए और आगे चलकर पार्टी के अखिल भारतीय महामंत्री बने। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के निधन के बाद संठन को मजबूत करने और देशभर में उसका विस्तार करने में उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा। 1967 में वे भारतीय जनसंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष बने। उनकी सबसे महत्वपूर्ण वैचारिक देन ‘एकात्म मानववाद’ मानी जाती है। उनका विचार था कि मनुष्य को केवल आर्थिक आवश्यकताओं के आधार पर नहीं समझा जा सकता। मनुष्य शरीर, मन, बुद्धि और आत्मा का समन्वित रूप है और उसके जीवन में भौतिक प्रगति के साथ नैतिक एवं आध्यात्मिक विकास भी आवश्यक है। इसी प्रकार व्यक्ति समाज से अलग नहीं है। व्यक्ति, समाज और राष्ट्र एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। इसलिए विकास का उद्देश्य केवल उत्पादन और आर्थिक आंकड़ों को बढ़ाना नहीं, मनुष्य और समाज के संतुलित विकास को सुनिश्चित करना होना चाहिए। दीनदयाल उपाध्याय का आर्थिक चिंतन भी इसी दृष्टि पर आधारित था। वे ऐसी अर्थव्यवस्था के समर्थक थे, जिसमें विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। इसी विचार से जुड़ा उनका ‘अंत्योदय’ का सिद्धांत आज भी उनके चिंतन की प्रमुख पहचान है। उनका मानना था कि किसी भी विकास व्यवस्था की सफलता का वास्तविक पैमाना यह होना चाहिए कि समाज के सबसे कमजोर और अंतिम व्यक्ति के जीवन में कितना सुधार आया। इस दृष्टि से उनका चिंतन सामाजिक समावेशन और मानव-केंद्रित विकास की चर्चा में आज भी संदर्भित किया जाता है। दीनदयाल उपाध्याय केवल राजनेता और संगठनकर्ता ही नहीं, लेखक और पत्रकार भी थे। उन्होंने लेखनी को सामाजिक जागरण का माध्यम बनाया।

नकली व बेलगाम दवाओं के खिलाफ अब अदालत का ही आसरा

अशोक भाटिया , चर्सई

भारत जैसे विशाल लोकतांत्रिक देश में जहां जन-कल्याण को शासन का मूलमंत्र माना जाता है, वहां स्वास्थ्य का क्षेत्र एक गंभीर संक्रमण काल से गुजर रहा है। बीमारियां जिस रफ्तार से बढ़ रही हैं, उससे कहीं अधिक तेजी से चिकित्सा के नाम पर इंसानी जिंदगियों से खिलवाड़ का एक भयावह और अनैतिक तंत्र विकसित हो चुका है। हाल ही में फार्मास्यूटिकल क्षेत्र में मुनाफे की हवस और मरीजों के साथ हो रही धोखाधड़ी की गुंज देश की सबसे बड़ी अदालत से नुमाई दी है। न्याय के सर्वोच्च मंदिर ने दवा निर्माताओं, अस्पतालों और सरकारी नियामक संस्थाओं के रवैये पर जो तल्व टिप्पणियां की हैं, उसने हमारे पूरे स्वास्थ्य तंत्र की रीढ़ को हिलाकर रख दिया है। सुप्रीम कोर्ट की पीठ द्वारा एक मामले की सुनवाई के दौरान प्रयुक्त यह वाक्य—यह तो सीधे तौर पर दिन-दहाड़े डकैती है!—महज एक टिप्पणी नहीं, बल्कि उस लाचार भारतीय नागरिक की सामूहिक चीख का प्रतिनिधित्व करता है, जो बीमारी से पहले इलाज के खर्च और उसमें होने वाली जालसाजी से मर जाता है।

न्यायालय के समक्ष जो तथ्य उभरकर सामने आए हैं, वे किसी भी संवेदनशील समाज को स्तब्ध करने के लिए पर्याप्त हैं। खासकर कैंसर जैसी जारलेवा बीमारी से जूझ रहे मरीजों के घावों पर जिस तरह मुनाफाखोरी का नमक छिड़का जा रहा है, वह अमानवीयता की परकाष्ठ है। अदालत के संज्ञा में लाया गया कि कैंसर की एक आवश्यक जीवन रक्षक दवा, जिसकी कीमत निर्माता कंपनी द्वारा रितरेर के लिए महज २२,700 तय की



जाती है, उस पर अधिकतम खुदरा मूल्य पूरे २27,000 छाप दिया जाता है। यानी कि लागत और थोक मूल्य से ठीक दस गुना अधिक दाम पर उस दवा को बेचे जाने की खुली छूट दे दी गई। एक पीड़ित परिवार और सामाजिक कार्यकर्ताओं द्वारा दायर की गई जनहित याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए, माननीय न्यायपूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने इस अकल्पनीय मूल्य अंतर पर गहरी नाराजगी जताई। अदालत ने सीधे शब्दों में सवाल पूछ कि मरीजों को इस तरह बेदरदी से लूटने की इजाजत व्यवस्था कैसे दे सकती है? निर्माता कंपनियां और बड़ी-बड़ी कॉर्पोरेट फार्मसियां मिलकर मरीजों की जेब पर जो डाका डाल रही हैं, उस पर राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण और स्वास्थ्य मंत्रालय जैसी नियामक इकाइयां क्यों मूक बचें बैठी हैं? यह मामला सिर्फ निजी क्षेत्र की लूट तक सीमित नहीं है, बल्कि यह देश के खजाने और टैक्सपेयर्स के पैसे में संधमारी का भी

एक बड़ा घोटाला साबित हो रहा है। आज केंद्र सरकार %आयुष्मान भारत%, छत्तास और छत्तास जैसी लोक-कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से गरीब और मध्यम वर्ग के इलाज का खर्च उखती है। निजी अस्पताल इन्हीं बड़ी हुई और मनमानी एमआरपी पर दवाएं खरीदते हैं और बाद में सरकारी खजाने से उसका शत-प्रतिशत रीइम्बर्समेंट क्लेम करते हैं। इसका सीधा अर्थ यह हुआ कि चंद दवा फार्मियाओं और निजी अस्पतालों के औषधि निर्यात के लिए आम जनता के खून-पसीने की गाढ़ी कमाई को पानी की तरह बहाया जा रहा है। करदाताओं का पैसा जो देश के बुनियादी ढांचे और लोक-कल्याण में लगना चाहिए था, वह दवा कंपनियों की साउगांट की भेंट चढ़ रहा है। सर्वोच्च न्यायालय ने इस ओर ध्यान दिलोते हुए इसे %स्पष्ट रूप से देश और जनता के साथ एक बड़ा फ्राँड% करार दिया है। इस संदर्भ में एक अहम सुझाव यह भी आया कि क्यों न देश की सभी जीवन रक्षक दवाओं को एक

एकीकृत मूल्य-नियंत्रण के दायरे में ला दिया जाए, जिससे जेनेरिक और ब्रांडेड दवाओं का यह पूरा कृत्रिम भ्रम ही समाप्त हो जाए और दवाएं समान दाम पर उपलब्ध हो सकें। एक तरफ जहां दवाओं के नाम पर यह संस्थागत और कानूनी लूट जारी है, वहीं दूसरी तरफ %नकली दवाओं% का एक समानांतर और अंडरग्राउंड अंडरवर्ल्ड चल रहा है, जो सीधे मौत का व्यापार कर रहा है। हाल ही में बेंगलुरु में विशेष जांच दल और औषधि निर्यात विभाग द्वारा संयुक्त छापेमारी में एक बहुत बड़े अंतरराष्ट्रीय नकली कैंसर दवा फैक्ट का भंडाफोड़ हुआ है। जांच में जो तथ्य सामने आए, वे रंगेरे खड़े करने वाले हैं। वीरेश कुमार जैन नामक एक फार्मासिस्ट की मुख्य संलिप्तता वाले इस गिरोह ने करीब 90 से अधिक प्रतिष्ठित अस्पतालों और क्लीनिकों में पिछले पांच वर्षों से नकली तथा एक्सपायर्ड दवाें चुकी कैंसर और आईसीयू दवाओं की धड़ल्ले से आपूर्ति की। ये अपराधी एक्सपायर हो चुकी

दवाओं को दोबारा प्रोसेस करते थे, उन्हें चमचमाते नए डिब्बों में पैक करते थे, नामचीन अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय फार्मा ब्रांडों के नकली होलोग्राम और लेबल लगाते थे और अस्पतालों के परचेजिंग डिपार्टमेंट को आकर्षित करने के लिए पचास प्रतिशत तक के भारी डिस्काउंट का लालच देते थे। पांच साल तक, यानी कि 1,800 से अधिक दिनों तक अस्पतालों के खरीद तंत्र ने बिना किसी लैब टेस्टिंग या प्रामाणिकता की जांच किए, सिर्फ मुनाफे के लालच में इन नकली दवाओं को खरीदा और उन लाचार मरीजों के जिसमें कोमोथेरेपी के नाम पर जहर के रूप में उजार दिया जो अपनी जिंदगी की आखिरी उम्मीद लेकर वहां आते थे। इस चिन्नेने अपराध की जद सिर्फ बेंगलुरु तक सीमित नहीं है; इसके तार कर्नाटक से लेकर हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, तमिलनाडु और महाराष्ट्र तक फैले हुए हैं। यह इस बात का स्पष्ट प्रमाण है कि नकली दवाओं का नेटवर्क देशव्यापी नेटवर्क बन चुका है। कुछ समय पूर्व नागपुर के सरकारी अस्पताल में भी एक ऐसा ही सनसनीखेज मामला सामने आया था, जहां मरीजों को दी जाने वाली गोलीयों में मुख्य औषधीय साल्ट की जगह साधारण टेलकम पाउडर डाला हुआ था। जब किसी मरीज को एंटीबायोटिक या कैंसर रोधी दवाओं के नाम पर टेलकम पाउडर या चाक की गोलायां दी जाएगी, तो उसका उदर होना तो दूर, बीमारी और अधिक आक्रामक होकर उसकी जान ले लेगी। कानून के नजरिए से देखें तो यह धारा 302 यानी सीधे-सीधे हत्या का मामला बनता है, न कि केवल ट्रेडमार्क के उल्लंघन या मिलावट का। इस एंड कॉम्पेक्ट्स एक्ट, 194० में कहने को तो आजीवन कारावास

और जब्त माल की कीमत का तीन गुना जुर्माने जैसे सख्त कानूनी प्रावधान शामिल किए गए हैं, लेकिन व्यावहारिक धरातल पर अपराधियों को इसका कोई खोफ नजर नहीं आता। वजह साफ है—कमजोर लुगोहल्स का फायदा उठाकर अपराधी अक्सर जमानत पर बाहर आ जाते हैं और फिर से अपना वही खूनो कारोबार शुरू कर देते हैं। यही कारण है कि देश की जनता और न्यायविदों को अब इस भयावह संकट से उबरने के लिए न्यायपालिका की ओर देखना पड़ रहा है। अब जब पानी सिर से ऊपर जा चुका है, तो अदालती हस्तक्षेप ही एकमात्र उम्मीद बची है। अदालतों में दाम्बर हालिया याचिकाओं में यह मांग विस्फुल्ल जाग्रत है कि नकली और अत्यधिक महंगी दवाओं के मामलेलों की जांच के लिए तीन महिने की सख्त समय-सीमा तय हो और फास्ट ट्रैक कोर्ट के माध्यम से एक वर्ष के भीतर देषियों को फांसी या ड्रमैक जैसी नजीर बनने वाली सजाएं दी जाएं। साथ ही, इस धंधे से अर्जित की गई अपराधियों और उनके परिवारों की पूरी चल-अचल संपत्ति को तुरंत कुर्क किया जाना चाहिए। दवा उद्योग को आत्मसंशोधन करना होगा कि जब आबकारी विभाग अपनी शराब की की जगह साधारण टेलकम पाउडर डाले, तो इस कट्टोर जनरल ऑफ इंडिया देश की जीवन रक्षक दवाओं के लिए पैसा हो जाएगा और फुलपूफ डिजिटल बारकोडिंग सिस्टम देशव्यापी स्तर पर अनिवार्य क्यों नहीं कर पा रहा है? शीघ्र 300 ब्रांडों पर क्यूआर कोड का नियम लागू करना एक स्वागत योग्य कदम है, लेकिन इसे देश की हर छोटी-बड़ी मेंडिकल वाइल और टैबलेट स्ट्रिप पर अनिवार्य करना होगा।

विद्यार्थियों की संख्या सवा तीन करोड़ घटी



के स्थिति संबंधी दो एनी सर्वेक्षणों से यह नतीजा आया है कि बच्चों के ज्ञान के स्तर के साथ सीखने के क्षमता में भी कमी आई है। इस रिपोर्ट की खूबी यह है कि इसमें इस गिरावट को गरीब और पड़ेहाल बच्चों के स्कूल पहुंचने की परिचयनता के रूप में न बताकर शिक्षकों की कमी और उनके भी ज्ञान में कमी से भी जोड़ा है। यह सर्वेक्षण महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, कर्नाटक, तेलंगाना, अरुम, बिहार, छत्तीसगढ़, पंजाब, ओडिशा और मिजोरम में किया गया और यह नतीजा निकासाल कि स्कूलों में गणित और विज्ञान के अध्यापकों की भारी कमी है। जो लोग गणित पढ़ा भी रहे हैं उनमें से पचास फीसदी ने ही हाई स्कूल में भी गणित की पढ़ाई की है। अंग्रेजी और भाषा पढ़ाने वालों का हाल

इससे बेहतर है लेकिन वह भी 30 फीसदी की कमी वाला इलाका है। सरकारी स्कूलों में भी अध्यापकों की भर्ती में काफी ढील वाला माहौल है और 33 फीसदी कमी की रिपोर्ट इसमें है। मजेदार सूचना यह है कि इस मामले में निजी स्कूलों का रिकार्ड सरकार से बेहतर है। इससे साथ ही यह भी हुआ है कि शरीर प्राइवेट स्कूलों में अध्यापकों को सरकारी स्कूलों के शिक्षकों के मुकबले बेहतर वेतन मिलता है लेकिन ग्रामीण इलाकों में शिक्षकों को वेतन कम मिलता है। एक अन्य रिपोर्ट भी इसी प्रवृत्ति को बताती है जो पंजाब के स्कूलों को लेकर किया गया था। वहां की मुख्य शिक्षात तय ही रही कि सरकारी स्कूल दिलात स्कूल में बदल गए हैं क्योंकि बाकी लोग अपने बच्चों

को निजी और अंग्रेजी मीडियम स्कूल में भेजते हैं। ऐसे स्कूल अब गांव-गांव में खुल गए हैं। यह बदलाव दिल्ली से लेकर बिहार तक में देखा जा सकता है। पंजाब के सरकारी स्कूलों में अच्छे भवने हैं, शिक्षक हैं, पढ़ने के बाकी साधन हैं लेकिन समाज के ऊंचे तबके के बच्चे नदारद हैं। बिहार के देहात तक में पहुंचे ग्राइवेट स्कूल, जो असल में बेरोजगार और पढ़े-लिखे लड़के-लड़कियों के बल पर ही चलते हैं। अब हास्टल और ट्रांसपोर्ट का इंतजाम कराके दूर-दूर से बच्चे जुटाने लगे हैं। स्टडीसर् वाली रिपोर्ट में छात्रों की संख्या की गिरावट को रेखांकित करने के साथ यह भी बताया गया है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 लागू होने के बाद से शिक्षकों की संख्या में छह लाख की बढ़ोतरी हो गई है। ऐसे में छात्रों की संख्या गिरना ज्यादा चिंता की बात है। रिपोर्ट में एक दूसरी घनात्मक प्रवृत्ति को भी रेखांकित किया गया है कि अध्यापकों में महिला शिक्षिकाओं का हिस्सा तेजी से बढ़ा है। अब यह 54 फीसदी तक पहुंच गया है जो भारत के लिए गर्व की बात होनी चाहिए पर इसमें एक कमी है। यह वृद्धि शरीर ज्यादा है ग्रामीण कमा। शरीर शिक्षकों में महिलाओं का हिस्सा जहां

67 फीसदी है वहीं ग्रामीण इलाकों में उनका अनुपात 47 फीसदी है। यह चिंता की खास बात नहीं है लेकिन रिपोर्ट में एक कक्षा में कई-कई वर्ग के विद्यार्थियों को साथ पढ़ाने का मर्ज बढ़ता गया है। पहले वाले सर्वेक्षण में ऐसा 39 फीसदी कक्षाओं के साथ था तो अब यह बढ़कर लगभग आधा हो गया है। यह अनुपात सरकारी स्कूलों का है। बल्कि कई स्कूल तो अकेले मास्टर के बल पर चल रहे हैं। संसाधनों के प्रबंधन और विद्यार्थियों की कमी के नाम पर उनको बंद करने की परिचयनता अलग चिंता का विषय है। बंद होने वाले स्कूलों के मामले में उत्तर प्रदेश चौपिनयन है। ऐसा दिल्ली में भी हुआ है जहां लंबे समय तक शासन करने वाले आप के लोग सरकारी स्कूलों पर ज्यादा ध्यान देने का दावा करते रहे हैं। निजी स्कूलों की मनमानी रोकने के लिए अन्होम ने जरूर काफी प्रयास किया लेकिन उनके शासन में ही सरकारी स्कूलों में विद्यार्थियों की संख्या घटी। शिक्षा के अंदर के बदलावों के साथ यह भी अच्छा हुआ है कि शिक्षा का मामला चुनावी मुद्दा बन रहा है। इस बार उत्तर प्रदेश में भी स्कूलों का बड़े पैमाने पर बंद होना मुद्दा बन गया है। दिल्ली में यह लगातार एक मुद्दा रहा है।

अंतर-महाविद्यालय तैराकी प्रतियोगिता में सुदीक्षा ने जीते 13 पदक

लोक हस्तक्षेप समाचार गुरुग्राम । महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के सेक्टर-40 स्थित सेंटर फॉर प्रोफेशनल एंड एलाइड स्टडीज (एमडीयू-सीपीएस) की पांच वर्षीय बीए.एल.एल.बी. पाठ्यक्रम की छात्रा सुदीक्षा ने महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक द्वारा आयोजित अंतर-महाविद्यालय तैराकी प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए संस्थान का नाम रोशन किया। 21 सितंबर को आयोजित इस प्रतियोगिता में सुदीक्षा ने कुल 13 पदक अपने नाम किए, जिनमें 5 स्वर्ण, 3 रजत और 5 कांस्य पदक शामिल हैं। इसके साथ ही उन्होंने प्रथम रनर-अप टॉफी भी हासिल की। इस शानदार उपलब्धि पर एमडीयू-सीपीएसके निदेशक प्रो. प्रदीप के. अहलावत ने सुदीक्षा को बधाई देते हुए कहा कि उनकी मेहनत, अनुशासन, लगन और उत्कृष्ट प्रदर्शन संस्थान के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि सुदीक्षा की यह उपलब्धि अन्य विद्यार्थियों को भी खेलों में सक्रिय रूप से भाग लेने और अपनी प्रतिभा को निखारने के लिए प्रेरित करेगी।प्रो. अहलावत ने कहा कि एमडीयू-सीपीएस, गुरुग्राम में खेल सुविधाओं एवं खेल संबंधी आधारभूत ढांचे को और सुदृढ़ करने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं, ताकि विद्यार्थियों को अपनी खेल प्रतिभा को आगे बढ़ाने के लिए बेहतर अवसर उपलब्ध हो सकें। उन्होंने कहा कि संस्थान विद्यार्थियों के समग्र विकास के लिए अकादमिक शिक्षा के साथ-साथ खेल एवं अन्य सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी को भी प्रोत्साहित करता है उन्होंने कहा कि संस्थान के विद्यार्थियों ने विभिन्न स्तरों पर खेलों में उल्लेखनीय प्रदर्शन किया है और अपनी उपलब्धियों के माध्यम से विश्वविद्यालय एवं संस्थान का गौरव बढ़ाया है। सुदीक्षा की इस उल्लेखनीय सफलता पर एमडीयू-सीपीएस के शिक्षकों एवं सहकर्मियों ने भी उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। सभी ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उम्मीद जताई कि वह भविष्य में भी इसी प्रकार उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए संस्थान का नाम रोशन करेंगी।

एटक की राज्य कार्यकारिणी की हुई बैठक

23-24 अक्टूबर को रेवाड़ी में होने वाले राज्य सम्मेलन की बनी रणनीति लोक हस्तक्षेप समाचार

गुरुग्राम । श्रमिक संगठन ऑल इंडिया ट्रेड यूनियन कांग्रेस (एटक) के नई दिल्ली स्थित केंद्रीय कार्यालय में राज्य पदाधिकारियों की बैठक का आयोजन राज्य अध्यक्ष कामरेड पहल सिंह तवर की अध्यक्षता में किया गया। मंच संचालन

राज्य महासचिव अनिल पवार एडवोकेट ने किया। बैठक में मुख्य वक्ता के रूप में एटक की राष्ट्रीय महासचिव कॉमरेड अमरजीत कौर शामिल हुईं। मुख्य वक्ता कॉमरेड अमरजीत कौर ने कहा कि वर्तमान केंद्र सरकार की नीतियां पूरी तरह से कॉर्पोरेट घरानों के पक्ष में झुकी हुई हैं। 4 श्रम संहिताओं को लागू करके सरकार ने पिछले 100 वर्षों के लंबे संघर्ष से मजदूरों द्वारा हासिल किए गए अधिकारों को छीनने का काम किया है। 8 घंटे के कार्यदिवस को बढ़ाकर 12 घंटे करना और हड़ताल के अधिकार को लगभग अवैध बनाना किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि आज अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पूंजीवाद का संकट गहराता जा रहा है, और युद्ध की नीतियों के कारण पूरी दुनिया में महंगाई व बेरोजगारी बढ़ रही है, जिसका सबसे भारी बोझ मजदूर वर्ग को उठाना पड़ रहा है। बैठक में हरियाणा के स्थानीय औद्योगिक मुद्दों को प्रमुखता से उठाया गया। कामरेड अनिल पवार ने कहा कि राज्य में न्यूनतम वेतन ठीक से लागू नहीं हो रहा है, डीसी रेट पर लगे कर्मचारियों का शोषण हो रहा है और ठेका प्रथा चरम सीमा पर है। गुड्डाव, मानेसर, रेवाड़ी, पानीपत, भिवानी और फरीदाबाद जैसे प्रमुख औद्योगिक क्षेत्रों में मजदूरों का उड़ीन्ड लगातार बढ़ रहा है, जहाँ तक कि उन्हें ईप्सआई और पीएफ जैसी बुनियादी सुविधाएं भी नहीं दी जा रही हैं। बैठक में आगामी 23-24 अक्टूबर को रेवाड़ी जाट धर्मशाला में आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय सम्मेलन को ऐतिहासिक बनाने की रूपरेखा तैयार की गई। सम्मेलन में प्रदेश के सभी जिलों से भारी संख्या में प्रतिनिधि हिस्सा लेंगे। इसमें आंगनवाड़ी वर्कर्स, निर्माण मजदूर, ऑटो यूनियन, रिटायर कर्मचारी संगठन, रोडवेज संगठन और महिला संगठनों सहित विभिन्न संघों से सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया गया। बैठक में कामरेड दरियाव सिंह करण्य, कामरेड बेचू गिरी, बिशंबर सिंह, वेरियन सिंह, फूल सिंह कम्बोज, सुरेश गौर, कुलदीप सिंह, बलवीर कम्बोज, मनोहर कुमार, अजय कुमार, कर्ण सिंह, सतीश नाहडू, जय सिंह धनखड़ और हरभजन सिंह सिंधु सहित कई प्रमुख पदाधिकारी उपस्थित रहे।

मानदेय बढ़ाने सहित नियमित किए जाने एवं अन्य सुविधाओं की मांग से संबंधित लेकर सौपा ज्ञापन

लोक हस्तक्षेप समाचार इटावा/महेवा । विकास खंड क्षेत्र महेवा मुख्यालय पहुंचकर खंड विकास अधिकारी महेवा बृज बिहारी त्रिपाठी को मानदेय बढ़ाने सहित नियमित किए जाने एवं अन्य सुविधाओं को दिलाने की मांग से संबंधित मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन सौपा वही खंड विकास अधिकारी श्री त्रिपाठी ने ज्ञापन लेकर संबंधित विभागियों अधिकारियों को भेजकर उचित कार्यवाही करने की बात कही है ।बैंक सखी यूनियन की ब्लॉक अध्यक्ष शालिनी देवी के नेतृत्व में दर्जन भर से अधिक बैंक सखियों ने अपनी मांगों को लेकर एक मांग पत्र मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन सौपा जिसमें 20 हजार रुपए मासिक मानदेय करने ,नियमित करने , बिजली घर ,बैंक ,ब्लॉक आदि में कार्यालय आदि में बैठने की जगह निश्चित करने की मांग की ।इस अवसर पर फलस्वी ,प्रियंका ,सुमन ,राजेश ,शशिदेवी ,जूही ,पूम ,रिंकी , नीटू देवी ,ज्योति सेंगर , प्रिया देवी,राजेश आदि मौजूद रही।

दुधवा नेशनल पार्क के हाथियों का आतंक

दो किसानों को किया घायल हालत गंभीर
ग्रामीणों ने वन विभाग पर लापरवाही का लगायानआरोप
लोक हस्तक्षेप समाचार लखीमपुर खीरी/ सिंगाही। दुधवा नेशनल पार्क की बेलरायां वन रेंज से सटे खेतों में इन दिनों जंगली हाथियों का आतंक मचा रहा है। देर रात खेतों की रखवाली कर रहे दो किसानों पर आक्रोशित हाथियों के झुंड ने जानलेवा हमला कर दिया।हाथियों ने दोनों किसानों को सूंड में लपेटकर जमीन पर पटक दिया, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। चौख-पुकार सुनकर दौड़ते ग्रामीणों ने बमुरिकल हाथियों को खदेड़कर दोनों की जान बचाई। घायलों को आनन-फानन में सीएचसी में भर्ती कराया गया है, जहाँ उनकी हालत चिंताजनक बनी हुई है।प्राप्त जानकारी के अनुसार, सर्पुण्हागर और बेलरायां वन रेंज के सीमावर्ती गांवों में पिछले कई दिनों से हाथियों का एक बड़ा झुंड डेरा डाले हुए है। यह झुंड रात के समय खेतों में घुसकर गन्ने और धान की खड़ी फसलों को भारी नुकसान पहुंचा रहा है।रात में जब हाथियों का झुंड खेतों में फिलखल उठता, तो वहां मचान पर रखवाली कर रहे किसान रामकुमार और लाडी ने शोर मचाकर उन्हें भगाने का प्रयास किया। शोर सुनते ही हाथियों का झुंड भड़क गया और उसने किसानों पर हमला बोल दिया। भगने की कोशिश के दौरान हाथियों ने दोनों को अपनी चपेट में ले लिया और बुरी तरह घायल कर दिया।

हरियाणा के गेस्ट टीचर्स नियमित करने पर अड़े,सरकार का सेवा नियम नामंजूर

लोक हस्तक्षेप समाचार

चंडीगढ़। हरियाणा के गेस्ट टीचर्स ने सरकार के सेवा नियम-2026 को ठुकरा दिया है। उनके प्रवक्ता ने दो टूक कहा- पक्का होने से कम कुछ भी मंजूर नहीं है। बुधवार को प्रदेशभर से गेस्ट टीचर्स पानीपत में शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा का आवास घेरने पहुंचे।

एक दिन पहले मंगलवार को ही प्रदेश सरकार ने हरियाणा अतिथि सेवा नियम- 2026 की नोटिफिकेशन जारी की थी। जिसमें गेस्ट टीचर की 58 साल की उम्र में रिटायरमेंट, बिना वेतन 730 दिन की चाइल्ड केयर लीव समेत अन्य सेवा शर्तें जारी की गईं।हरियाणा गेस्ट टीचर्स के मीडिया प्रभारी डॉ. अजय लोहान ने कहा- प्रदेश सरकार ने कोर्ट का फैसला लागू करने की बजाय जो सेवा नियम बनाए है ये हमारी मांग ही नहीं थी। 12 हजार गेस्ट टीचर्स की एक ही मांग है कि कोर्ट का फैसला लागू करके पक्का किया जाए। इससे कम कुछ भी मंजूर नहीं। सरकार की अधिसूचना के अनुसार: जिस महीने गेस्ट टीचर की उम्र 58 साल पूरी होगी, उसी महीने के

बुढ़वा मंगल पर बड़ाताल में सजा आस्था और उल्लास का मेला, झूलों पर बच्चों ने उठाया लुटक

लोक हस्तक्षेप समाचार

इटावा/महेवा। विकास खंड क्षेत्र की ग्राम पंचायत मेंहदीपुर स्थित लक्ष्मण दास की कुटी बड़ाताल में बुढ़वा मंगल के अवसर पर मंगलवार को तीन दिवसीय रासलीला एवं विशाल मेले का शुभारंभ हुआ। मेले को लेकर सुबह से ही क्षेत्र के ग्रामीणों में खासा उत्साह देखने को मिला। आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु और ग्रामीण मेले में पहुंचे और धार्मिक माहौल के बीच मेले का आनंद उठाया।मेले में तरह-तरह के झूले, खिलौने, खान-पान सहित विभिन्न प्रकार की दुकानें आकर्षण का केंद्र रहीं। बच्चों ने झूलों पर बैठकर जमकर आनंद लिया, वहीं महिलाओं और पुरुषों ने भी मेले में खरीदारी करते हुए उत्सव का लुत्फ उठाया। शाम होते-होते मेले में ग्रामीणों की भीड़ बढ़ गई और पूरा बड़ाताल परिसर चहल-पहल से गुलजार हो उठा। वहीं शाम को भव्य मंच पर वृंदावन से आई

चार बड़े मैच... हर बार तीन विकेट, दीप्ति ने रचा अनोखा रिकॉर्ड

आगरा, एजेंसी। चार मुकाबले, हर बार तीन-तीन विकेट...आंकड़ों की यह समनता अपने आप में खास है। आगरा की स्टार क्रिकेटर दीप्ति शर्मा ने एशिया कप 2026 और एशियन सुपे 2026 के सेमीफाइनल व फाइनल में हर बार तीन-तीन विकेट लेकर अनोखा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। दोनों टूर्नामेंट के इन चार निर्णायक मुकाबलों में दीप्ति ने कुल 12 विकेट झटकें और भारत की खिताबी जीत में अहम भूमिका निभाई। एशिया कप में 10 सितंबर को बांग्लादेश के खिलाफ सेमीफाइनल में दीप्ति ने चार ओवर में 26 रन देकर तीन विकेट लिए। तीन दिन बाद 13 सितंबर को श्रीलंका के खिलाफ फाइनल में चार ओवर में 19 रन देकर तीन विकेट चटकाए। एशियन गेम्स में भी कहानी नहीं बदली। 20 सितंबर को बांग्लादेश के खिलाफ सेमीफाइनल में दीप्ति ने सिर्फ 2.4 ओवर में सात रन देकर तीन विकेट हासिल किए।

पीएम मोदी के 25 वर्षों के राष्ट्र सेवा के उपलक्ष्य में बोधराज सीकरी का 25 परिकल्प करने का संकल्प

22 सामाजिक व आध्यात्मिक कार्य पूर्ण, बाक़ी 3 परिकल्प शीघ्र होंगे पूरे : बोधराज सीकरी
लोक हस्तक्षेप समाचार
गुरुग्राम। भाजपा एनजीओ प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक बोधराज सीकरी द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्षों की सफल राष्ट्र सेवा के उपलक्ष्य में लिए गए 25 सामाजिक, धार्मिक और आध्यात्मिक सेवा संकल्पों में से 22 संकल्प सफलतापूर्वक पूर्ण हो चुके हैं। इस कड़ी में अपने 19वें संकल्प के अंतर्गत मंगलवार को बोधराज सीकरी ने 250 मित्रों, समाज के वंचित वर्ग के लोगों और

एनएचएम सविदा कर्मचारियों ने की किया प्रदर्शन

लोक हस्तक्षेप समाचार

बलिया। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के तहत कार्यरत सविदा कर्मचारियों ने नियमितीकरण, समान कार्य के लिए समान वेतन समेत अन्य मांगों को लेकर सीएमओ कार्यालय परिसर में प्रदर्शन किया। इसके बाद सविदाकर्मियों ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी के प्रतिनिधि प्रशासनिक अधिकारी को सौंपा। संगठन ने शासन को तीन अक्टूबर तक मांगें पूरी करने का समय दिया है।चेताया कि मांगें पूरी न होने पर चरणबद्ध आंदोलन शुरू करने की चेतावनी दी गई है।ज्ञापन में कहा गया कि प्रदेश में एक लाख से अधिक एनएचएम सविदा कर्मचारी पिछले 15 से 18 वर्षों से स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। ग्रामीण और दुर्गम क्षेत्रों से लेकर जिला चिकित्सालयों तथा विभिन्न राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों में कर्मचारी लगातार सेवाएं दे रहे हैं। कर्मचारियों ने नियमितीकरण, समान कार्य के लिए समान वेतन और अन्य सेवा संबंधी मांगों को जल्द पूरा करने की मांग की। कर्मचारियों ने शासन से मांगों पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय लेने की अपील की है।

आखिरी दिन रिटायरमेंट होगी। यानी इससे पहले सेवा जारी रहेगी और इस आधार पर नौकरी से नहीं हटया जाएगा। महिला और एकल पुरुष गेस्ट टीचर्स को पूरी सेवा अवधि में 730 दिन की चाइल्ड केयर लीव मिलेगी। यह अवकाश बिना वेतन होगा, लेकिन इसे सर्विस ब्रेक नहीं माना जाएगा। दो जीवित बच्चों वाले पुरुष गेस्ट टीचर को पत्नी के प्रसव या एक साल से कम उम्र के बच्चे को गोद लेने पर 15 दिन का पितृत्व अवकाश मिलेगा। यह अवकाश प्रसव की तारीख के 15 दिन पहले से लेकर प्रसव के 6 महीने बाद तक लिया जा सकेगा।दंड का भी प्रावधान: गेस्ट टीचर्स पर रेगुलर टीचर्स की तरह नियुक्ति एवं दंड प्राधिकारी के नियम लागू होंगे। मामूली दंड में सर्विस रिकॉर्ड में चेतावनी या नित्ता दर्ज करना और लापरवाही अथवा आदेश के उल्लंघन से हुए नुकसान की वेतन से वसूली शामिल होगी। गेस्ट टीचर्स के प्रवक्त डॉ. अजय लोहान के मुताबिक गेस्ट टीचर्स एग्सेसिएशन की स्पष्ट मांग है कि कोर्ट के फैसलों के अनुसार गेस्ट टीचर्स को 28 मई 2014 से पक्का

माना जाए। पक्के होने की तारीख से ही 6 प्रतिशत ब्याज समेत बकाया राशि, ग्रेच्युटी, पेंशन व अन्य देय लाभ दिए जाएं। गेस्ट टीचर्स नए नियमों में ई पी एफ वेतन बढ़ोतरी, मेडिकल लीव या पक्का करने का कोई जिक्र न होने से नाराज है।राज्य कार्यकारिणी सदस्य मेवा सिंह पिलानिया, बलजीत सिंह ढिल्लों और कुलदीप कुमार ने बताया कि नियमितीकरण की मांग को लेकर 23 जून से पानीपत लघु सचिवालय में अनिश्चितकालीन धरना जारी है। सरकार पक्का करने से जुड़े अदालती आदेशों को लागू करे।-याचिकाकर्ता सुखविंदर सिंह ने बताया कि साल 2005-06 में सरकारी स्कूलों में रिक्त पदों पर वैकेंसी निकली थी। इसके लिए नियुक्ति प्रक्रिया विज्ञापन, चयन समिति का गठन भी किया गया था। एप्लिकेट्स की जांच और मेरिट लिस्ट जारी करने के बाद ही जॉइनिंग कराई गई थी।: सुखविंदर सिंह ने बताया कि ये जॉइनिंग गेस्ट फेकल्टी के रूप में हुई। 12 हजार 700 टीचर्स को इसमें नियुक्ति दी गई। जॉइनिंग के बाद से ही टीचर्स और याचिकाकर्ता सुखविंदर सिंह परमानेंट



गुप्ता ,ऊर्फत गुप्ता ,आशाराम पाल ,नारायण दास तिवारी ,रामेंद्र पाल ,भोले , सुमित राठौर ,भारत सिंह राजपूत, अमन, जीतू पाल, पंकज पाल सहित समस्त कमेटी पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं आयोजन से जुड़े लोग मौजूद रहे।

लेकर शुरू हुआ विवाद बना है।विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। मंगलवार को नेशनल हाईवे पर हुए हंगामे और लाठीचार्ज के बाद रात भर किसान बराड़ा रोड पर हाईवे के पास धरने पर डटे रहे। बुधवार सुबह भी आंदोलन स्थल पर भारी संख्या में किसानों के जुटने की संभावना के बीच पुलिस प्रशासन ने धरपकड़ तेज कर दी । रात भर पुलिस की टीमें किसान नेताओं के ठिकानों पर दक्षिण देती रहीं और तड़के कई प्रमुख चेहरों को हिरासत में ले लिया गया।शाहाबाद में आंदोलन को तेज करने की रणनीति के बीच पुलिस ने बुधवार सुबह करीब 4 बजे भारतीय किसान यूनियन (शहीद भगत सिंह) के जिला अध्यक्ष संजू नंबरदार और प्रदेश सचिव संजीव आलमपुर को उनके घरों से हिरासत में ले लिया। ये



गुरुग्राम / लोकेश कुमार। सैक्टर 10ए स्थित लायंस पब्लिक स्कूल के एक्टिविटी हॉल में हाल ही में सेवा संकल्प अभियान का आयोजन विद्यालय के चेयरमैन लायन डीवी तनेजा की अध्यक्षता में किया गया, जिसका शुभारंभ भाजपा जिला उपाध्यक्ष पूनम भटनागर ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सेवा कार्य पर बेहद प्रभावशाली और ओजस्वी भाषण प्रस्तुत किए। जिला उपाध्यक्ष पूनम भटनागर ने नन्हे-मुन्ने बच्चों के आत्मविश्वास से भरे भाषणों की भूरि-भूरि प्रशंसा की तथा उपस्थित छात्रों को सेवा, संस्कार और मानवीय मूल्यों को अपने जीवन में अपनाने का प्रेरक संदेश दिया। चित्रकला प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया था। बच्चों द्वारा बनाई गई सुंदर कलाकृतियों की एक प्रदर्शनी लगाई गई, जिसका मुख्य अतिथि ने अवलोकन किया और विद्यार्थियों की रचनात्मकता व छिपी हुई प्रतिभा की जमकर सराहना की। मुख्य अतिथि द्वारा विद्यालय परिसर में पौधारोपण कराया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के मैनेजर राजीव कुमार ने अतिथियों, शिक्षकों और विद्यार्थियों के प्रति आभार व्यक्त किया। विद्यालय की प्रधानाचार्या दिपिंदर कौर, समस्त समन्वयकगण एवं शिक्षकगण विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस सफल आयोजन ने विद्यार्थियों के मन में सेवा भाव, राष्ट्रप्रेम और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को और अधिक मजबूत किया है।

खंड विकास अधिकारी महेवा बृज बिहारी त्रिपाठी की अध्यक्षता में होगी ब्लॉक स्तरीय संचारी रोग नियंत्रण बैठक

लोक हस्तक्षेप समाचार इटावा/महेवा । दिनांक 24 सितंबर गुरुवार को दोपहर 2 बजे ब्लॉक सभाघर में खंड विकास अधिकारी महेवा बृज बिहारी त्रिपाठी की अध्यक्षता में ब्लॉक स्तरीय संचारी रोग नियंत्रण अभियान के तहत बी टी एफ यानी ब्लॉक टास्क फोर्स की आवश्यक बैठक होगी ।

जिसमें संबंधित सभी विभाग (शिक्षा, आई सी डी एस , पशुपालन, नगर पंचायत लखना, नगर पंचायत बकेवर ,डब्लू एच ओ , स्वास्थ्य, पंचायती राज इत्यादि) के नोडल अधिकारी मौजूद रहेंगे ।

उक्त आशय की जानकारी अधीक्षक सी एच सी महेवा डॉ अभिषेक वर्मा ने देते हुए सभी विभागों के संबंधित ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों से समय से मौजूद रहने का अनुरोध किया है।

शहीदों की बढौलत आज हम खुली हवा में ले रहे हैं साँस : अरुण शर्मा

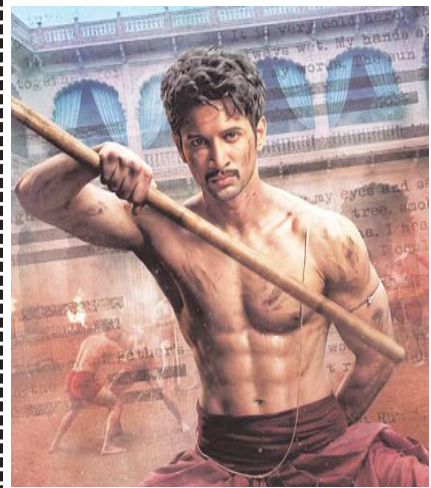
लोक हस्तक्षेप समाचार गुरुग्राम । शहीद भारत माँ के सच्चे सपूत हैं, उन्हें हमेशा याद रखना चाहिए। आज का दिन शहीदों की याद में शहीदी दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। जिन वीर सैनिकों ने भारत माँ की रक्षा की खातिर देश के ऊपर सब कुछ बर्बाद कर दिया, उन्हीं की बढौलत आज हम स्वतंत्र भारत के नागरिक कहलाने का गौरव प्राप्त कर रहे हैं। उक्त विचार भगवान श्री परशुराम सेवा दल के अध्यक्ष एवं जिला बार अधिवक्ता संघ के पूर्व महासचिव पंडित अरुण शर्मा एडवोकेट ने शहीदी दिवस के अवसर पर आयोजित श्रद्धांजलि कार्यक्रम में व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि शहीद हमारी धरोहर हैं और उनके बलिदान के कारण ही आज हम खुली हवा में साँस ले रहे हैं। शहीदों की कुर्बानी को युगों-युगों तक याद रखा जाएगा, क्योंकि शहीद किसी जाति के न होकर पूरे राष्ट्र के होते हैं। उन्होंने कहा कि भारत माँ की रक्षा के लिए राजगुरु, सुखदेव और भगतसिंह जैसे महान जवानों ने हँसते-हँसते फाँसी के फंदे को चूम लिया था। वहीं, झाँसी की रानी लक्ष्मीबाई ने स्वतंत्रता आंदोलन में अपने प्राणों की आहुति देकर संग्राम की अलख जगाई थी। अरुण शर्मा ने कहा कि देश 1947 में आजाद हुआ, मगर आज भी भारत के दुश्मन देश की आजादी को पचा नहीं पा रहे हैं। ऐसे में देश की रक्षा के लिए आजादी से पहले और बाद में शहीद हुए अनगिनत गुमनाम भारतीयों के योगदान को कभी नहीं भूलना चाहिए। हमें शहीदों के विचारों को अपने जीवन में उतारना चाहिए, क्योंकि राष्ट्रभक्ति और राष्ट्रप्रेम से ओतप्रोत इन शहीदों से बड़ा देशभक्त कोई नहीं हो सकता। देश को उन सभी शहीदों की शहादत पर गर्व है और पूरा देश हमेशा उनका ऋणी रहेगा। इस अवसर पर एडवोकेट मदन कोशिक, अश्वनी शर्मा, संजय शर्मा, परमतप मुद्गिल, संजय कोशिक, जितेन्द्र कोशिक, विजय वर्मा और निशिभूषण आदि अधिवक्ताओं ने शहीदों की नमन कर उन्हें याद किया।

पैर में फैंडर, फिर भी नहीं थमी बॉक्सर आदित्य की तैयारी

आगरा, एजेंसी। आगरा के राष्ट्रीय चैंपियन आदित्य तारा सिंह का करीब 15 दिन पहले पैर में फैंडर हो गया था। वह खड़े होकर अभ्यास नहीं कर पा रहे हैं। फिर भी स्ट्रेडियम में बैठकर वह पंच साध रहे हैं। कोच गौरव ठाकुर ने उनकी ट्रेनिंग का तरीका बदला है। चोटिल पैर पर दबाव डाले बिना ऊपरी शरीर की फिटनेस और पंचिंग पर काम कराया जा रहा है। लक्ष्य आगामी वर्ल्ड कप है। आदित्य ने कहा कि फैंडर की वजह से अभी खड़े होकर अभ्यास नहीं कर सकता लेकिन तैयारी रोकना नहीं चाहता।

फातिमा सना शेख ने फेमिनिज़्म, प्रियंका चोपड़ा जोनस और ‘हुंकार: द रोअर’ में पुलिसवाले का किरदार निभाने पर की बात

रोहित सराफ: रोमांटिक हीरो से क्रांतिकारी किरदार तक का सफर



जब भी हम Mismatched के बारे में सोचते हैं, तो रिषि और रोहित सराफ का नाम तुरंत याद आता है। इस सीरीज की शुरुआत से ही रोहित ने अपने ‘बॉय-नेक्स्ट-डोर’ वाले अंदाज से लोगों का दिल जीता। कॉलेज, प्यार और रिश्तों की कहानी के बीच उनका किरदार रिषि सीरीज का सबसे खास हिस्सा बन गया। धीरे-धीरे रिषि और रोहित एक-दूसरे के पर्याय जैसे बन गए। इस किरदार ने रोहित की रोमांटिक-कॉमेडी वाली छवि को मजबूत किया और उनकी एक्टिंग की क्षमता को भी सामने लाया। लेकिन रोहित सराफ का सफर कभी भी सिर्फ एक तरह के किरदार तक सीमित नहीं रहा। *रूढ़िवादी ड्रामा* से पहले भी उन्होंने *ब्रह्मरस* 4 दृष्टि * जैसी भावनात्मक फिल्म में अपनी एक्टिंग का दम दिखाया था। फिल्म में उन्होंने ईशान चौधरी का किरदार निभाया था, जिसमें दुख, परिवार और अंदर छिपे दर्द जैसी भावनाओं को दिखाया गया था। इस फिल्म ने रोहित को एक ऐसे किरदार में देखने का मौका दिया, जो बहुत ज्यादा वास्तविक और भावनात्मक था। अपने इस छोटे लेकिन प्यारे किरदार में उन्होंने भाई-बहन के रिश्ते को बहुत सहज तरीके से दिखाया। उनके किरदार में मासूमियत के साथ-साथ समझदारी भी नजर आई, जिसकी वजह से वह दर्शकों को पसंद आया। डार्क कॉमेडी फिल्म *रूढ़िवादी* में रोहित ने राहुल अवस्थी का किरदार निभाया। राहुल एक मॉल में काम करने वाला सेल्समैन था, जिसे उसका बॉस लगातार परेशान करता था। उसकी जिंदगी तब पूरी तरह बदल जाती है, जब उसे एक गैंगस्टर का पैसा से भरा बैग मिल जाता है। यह भी रोहित के लिए एक अलग तरह का किरदार था और उन्होंने इसमें भी कुछ नया करने की कोशिश की। कॉमेडी, रोमांस और दोस्ती से भरी इस पारिवारिक फिल्म में उन्होंने अपने किरदार को काफी सहजता से निभाया। इस फिल्म के बाद रोहित की ‘पनवाड़ी’ वाली चर्चा भी खूब हुई। इस बार रोहित एक पीरियड ड्रामा में नजर आए, जो उन युवा भारतीय क्रांतिकारियों की कहानी बताता है, जो ब्रिटिश राज को खत्म करने के लिए प्रयत्न संघर्ष को जरूरी मानते थे। रोहित ने इसमें *सचिंद्र नाथ साय्याल* का किरदार निभाया है। इस किरदार के लिए रोहित ने अपने लुक और शरीर पर काफी मेहनत की और खुद को पूरी तरह बदला। उनकी गंभीरता और किरदार के प्रति मेहनत साफ नजर आती है। इस अलग अंदाज में भी उन्होंने दर्शकों का ध्यान खींचा है। अब रोहित सराफ एक और नए सफर के लिए तैयार हैं।

फातिमा सना शेख ने हमेशा खुद को फेमिनिस्ट कहने से परहेज नहीं किया है। ‘हुंकार: द रोअर’ में एक जांबाज़ पुलिस ऑफिसर का किरदार निभाने वाली फातिमा ने उस शद को लेकर खुलकर बात की, जिसे इंडस्ट्री में आज भी कई लोग कहने से बचते हैं। इस दौरान उन्होंने प्रियंका चोपड़ा जोनस का भी जिक्र किया, जिन्होंने हमेशा इस शद को खुलकर अपनाया है। फातिमा कहती हैं, ‘फेमिनिज़्म को बहुत से लोग एक बुरे शद की तरह देखते हैं।

फातिमा सना शेख ने हमेशा खुद को फेमिनिस्ट कहने से परहेज नहीं किया है। ‘हुंकार: द रोअर’ में एक जांबाज़ पुलिस ऑफिसर का किरदार निभाने वाली फातिमा ने उस शब्द को लेकर खुलकर बात की, जिसे इंडस्ट्री में आज भी कई लोग कहने से बचते हैं। इस दौरान उन्होंने प्रियंका चोपड़ा जोनस का भी जिक्र किया, जिन्होंने हमेशा इस शब्द को खुलकर अपनाया है। फातिमा कहती हैं, ‘फेमिनिज़्म को बहुत से लोग एक बुरे शब्द की तरह देखते हैं। यह देखकर हैरानी होती है कि कुछ एक्ट्रेसस खुद को फेमिनिस्ट नहीं कहतीं। फेमिनिस्ट होने का मतलब यह नहीं है कि मैं किसी पुरुष के अधिकार छीन रही हूँ। मैं तो सिर्फ अपने लिए बराबरी के अधिकार मांग रही हूँ।’ वह प्रियंका चोपड़ा का उदाहरण देते हुए कहती हैं कि खुद को फेमिनिस्ट कहने से दर्शकों का प्यार कम नहीं होता। ‘प्रियंका चोपड़ा खुद को फेमिनिस्ट कहती हैं और उनकी बहुत बड़ी मेल

फैन फॉलोइंग है। अगर आपकी नीयत साफ है और आप इस बात को सही तरीके से रखते हैं, तो लोग आपकी बात जरूर सुनेंगे। ‘जियोहॉटस्टार की इस सीरीज में फातिमा एक पुलिस ऑफिसर की भूमिका निभा रही हैं, जो एक ऐसे मामले की जांच करती है, जिसमें अनीत पट्टा द्वारा निभाया गया एक नाबालिग लड़की का किरदार एक आध्यात्मिक गुरु पर यौन शोषण का आरोप लगाता है। फातिमा इसे अपने करियर के सबसे शानदार और सीख देने वाले अनुभवों में से एक मानती हैं। उनके मुताबिक, इस प्रोजेक्ट की खास बात यह रही कि मेकर्स ने उन्हें हमेशा बराबरी का दर्जा दिया और उनकी राय को महत्व दिया। बिरला स्टूडियोज और अप्लॉज एंटरटेनमेंट ने पर्पल पेबल पिक्चर्स और मंगाटा फिल्मस के साथ मिलकर इस सीरीज का निर्माण किया है। करण डी कपाडिया और नित्या मेहरा के निर्देशन में बनी ‘हुंकार: द रोअर’ 25 सितंबर से जियोहॉटस्टार पर स्ट्रीम होगी।



अजय देवगन की ‘दृश्यम : द कन्वल्जन्’ का दूसरा गाना ‘मुस्कुरा दो’ आया सामने, लकी अली ने बिखेरा जादू



मुझे परिवार के साथ उन पलों की याद दिला दी, जहां खुश होने के लिए कुछ खास होना जरूरी नहीं है। मैं अपनी गायकी के जरिए इसी एहसास को करीब रखना चाहता था और गाने को जितना हो सके नेचुरल रहने देना चाहता था। ‘कंपोजर रोचक कोहली ने कहा, ‘जब मैंने ‘मुस्कुरा दो’ पर काम शुरू किया, तो मुझे पता था कि इसे एक फैमिली सांग जैसा लगना चाहिए। ‘दृश्यम: द कन्वल्जन्’ जैसी गंभीर और थ्रिलर फिल्म में इतनी गर्मजोशी वाला गाना बनाना एक अलग तरह का प्रेशर था। मैं चाहता था कि धुन में अपनापन हो, लेकिन वह बहुत आसान भी लगे। कहानी में बहुत टेंशन है, इसलिए इस गाने को थोड़ा खुलकर सांस लेने और एक अलग एहसास देने की जरूरत थी। जब लकी अली इस गाने से जुड़े, तो गाने का इमोशनल मूड बिल्कुल साफ हो गया। ‘गीतकार मनोज मुंतशिर ने कहा, ‘मैं बार-बार इसी ख्याल पर लौट रहा था कि परिवार अक्सर बहुत छोटी-छोटी बातों से बनता है। कमरे के दूसरे कोने से एक मुस्कान, साथ बैठना, बिना कुछ कहे बहुत कुछ कह देना, यही वो चीजें हैं, जो हमें याद रहती हैं।

अभिनेता अजय देवगन की आगामी फिल्म ‘दृश्यम : द कन्वल्जन्’ के मेकर्स ने बुधवार को ‘मुस्कुरा दो’ गाना रिलीज कर दिया। यह गाना विजय सालगांवकर के आसपास के सस्पेंस और टेंशन से हटकर उसके परिवार पर फोकस करता है, जिसके लिए वह लड़ता आ रहा है। इस गाने को लकी अली ने अपनी आवाज में गाया है, रोचक कोहली ने कंपोज किया है और मनोज मुंतशिर ने लिखा है। ‘मुस्कुरा दो’ सालगांवकर परिवार के बीच के प्यार, अपनापन और एकजुटता को दिखाता है और विजय की जिंदगी के सुकून भरे पलों की झलक देता है। लकी अली इस गाने में एक पुरानी यादों वाली मिक्स लेकर आए हैं। साथ ही यह अजय देवगन के साथ उनका पहला म्यूजिकल कोलैब भी है, जो गाने को खास बनाता है। लकी अली ने कहा, ‘‘मुस्कुरा दो’ दिल को अच्छी तरह से छूता है। इसमें एहसास पहले से ही मौजूद है, जिस वजह से हमने इमोशन को जबरदस्ती दिखाने की कोशिश नहीं की है। इस गाने ने

कसरत के बाद रिकवरी कक्ष का उपयोग क्यों होता है जरूरी? जानिए इसका महत्व

कसरत के बाद रिकवरी कक्ष का उपयोग करना बहुत जरूरी है। यह प्रक्रिया आपके शरीर को आराम और नई ऊर्जा देती है। रिकवरी कक्ष का उपयोग करने से मांसपेशियों की थकान दूर होती है और शरीर की ऊर्जा वापस मिलती है। इसके अलावा यह मानसिक शांति भी प्रदान करता है। इस लेख में हम जानेंगे कि कैसे रिकवरी कक्ष का उपयोग करके आप अपनी कसरत के बाद बेहतर आराम पा सकते हैं।

मांसपेशियों की थकान होती है दूर

कसरत के बाद मांसपेशियां थक जाती हैं और उन्हें आराम देना बहुत जरूरी है। रिकवरी कक्ष में बैठकर आप अपनी मांसपेशियों की थकान को दूर कर सकते हैं।

गर्म हवा और आरामदायक माहौल मांसपेशियों को आराम देता है, जिससे दर्द और अकड़न कम होती है। इसके अलावा रिकवरी कक्ष में बैठने से खून का बहाव बेहतर होता है, जो जल्दी ठीक होने में मदद करता है।

इस तरह आप अपनी कसरत के बाद बेहतर आराम पा सकते हैं।

मिलती है मानसिक शांति

कसरत के बाद दिमाग भी थक जाता है और उसे शांति देना बहुत जरूरी है। रिकवरी कक्ष में बैठकर आप अपनी मानसिक थकान को भी दूर कर सकते हैं।

शांत माहौल, सुखदायक तापमान और आरामदायक बैठने की जगह दिमाग को आराम देती है, जिससे तनाव कम होता है। इसके अलावा रिकवरी कक्ष में बिताया गया समय आपके मन को शांति और सुकून प्रदान करता है, जिससे आप नई ऊर्जा के साथ अपनी अगली कसरत के लिए तैयार हो सकते हैं।

शरीर का तापमान होता है संतुलित

कसरत के बाद शरीर का तापमान बढ़ जाता है और उसे संतुलित करना जरूरी हो जाता है। रिकवरी कक्ष में बैठकर आप अपने शरीर के तापमान को धीरे-धीरे सामान्य कर सकते हैं।

गर्म हवा शरीर की जमी हुई ऊर्जा को बाहर निकालती है और ठंडक लाती है। इसके अलावा रिकवरी कक्ष का तापमान आपके



पसीने को जल्दी सुखाता है, जिससे आप अधिक आरामदायक महसूस करते हैं।

इससे आपकी ठीक होने की प्रक्रिया भी तेज होती है।

त्वचा को मिलेगी ताजगी

कसरत के बाद पसीना निकलने से त्वचा साफ होती है, लेकिन उसमें ठंडक लाने के लिए रिकवरी कक्ष का उपयोग करना चाहिए। रिकवरी कक्ष की गर्म हवा त्वचा के रोमछिद्रों को खोलती है, जिससे गंदगी बाहर निकलती है और त्वचा ताजगी महसूस करती है।

इसके अलावा रिकवरी कक्ष में बिताया गया समय त्वचा को आराम और सुकून भी प्रदान करता है। इससे आपकी त्वचा और भी निखर जाती है और आप अधिक तरोताजा महसूस करते हैं।

सामाजिक बातचीत का मौका

रिकवरी कक्ष में बैठने का एक फायदा यह भी होता है कि आप अन्य लोगों से मिल सकते हैं और बातचीत कर सकते हैं। यह सामाजिक संपर्क आपके मनोबल को बढ़ाता है और मानसिक तनाव को कम करता है।

इस तरह रिकवरी कक्ष का उपयोग न केवल शारीरिक, बल्कि मानसिक रूप से भी फायदेमंद होता है। इन सभी कारणों से यह साफ हो जाता है कि कसरत के बाद रिकवरी कक्ष का उपयोग कितना जरूरी है।

नीले और हरे रंग की शैवाल है स्पिरुलिना, इसे खाने से मिल सकते हैं ये फायदे

स्पिरुलिना एक प्रकार की नीली-हरी शैवाल है, जो प्राकृतिक रूप से समुद्र और मीठे पानी की झीलों में पाई जाती है। इसे सुपरफूड भी कहा जाता है, क्योंकि यह विटामिन, खनिज, प्रोटीन और एंटी-ऑक्सीडेंट से भरपूर होती है। स्पिरुलिना का सेवन सेहत के लिए बेहद फायदेमंद होता है। आइए जानते हैं कि स्पिरुलिना को डाइट में शामिल करने से क्या-क्या लाभ मिल सकते हैं। इसे पाउडर के रूप में बाजार में बेचा जाता है।

प्रतिरक्षा को मजबूती देने में है सहायक

स्पिरुलिना में मौजूद एंटी-ऑक्सीडेंट और विटामिन प्रतिरक्षा को मजबूत बनाने में मदद कर सकते हैं। यह शरीर की बीमारियों से लड़ने की ताकत को बढ़ाने में सहायक हो सकता है।

नियमित रूप से स्पिरुलिना का सेवन करने से शरीर संक्रमण और बीमारियों से लड़ने में अधिक सक्षम हो सकता है। इसके अलावा स्पिरुलिना में पाए जाने वाले पोषक तत्व शरीर की सफेद रक्त कोशिकाओं को सक्रिय रखने में भी मदद कर सकते हैं।

वजन को नियंत्रित करने में है कारगर

अगर आप वजन को नियंत्रित करना चाहते हैं तो इसके लिए भी स्पिरुलिना का सेवन फायदेमंद हो सकता है। स्पिरुलिना में मौजूद प्रोटीन और फाइबर शरीर के चयापचय को बढ़ावा देते हैं, जिससे कैलोरी बर्न होती है और वजन घटाने में मदद मिलती है। इसके अलावा यह लंबे समय तक पेट भरा हुआ महसूस करवाता है, जिससे अनावश्यक खाने की इच्छा कम होती है। इस प्रकार स्पिरुलिना का सेवन वजन घटाने में सहायक हो सकता है।

रक्तचाप को कर सकता है नियंत्रित

रक्तचाप को नियंत्रित रखने में भी स्पिरुलिना मदद कर सकता है। इसमें मौजूद एंटी-ऑक्सीडेंट्स रक्त वाहिकाओं को स्वस्थ रखते हैं और रक्त प्रवाह को बेहतर बनाते हैं। इसके अलावा स्पिरुलिना में पाए जाने वाले खास पोषक तत्व रक्तचाप के स्तर को संतुलित रखने में भी मदद कर सकते हैं। हालांकि, अगर किसी को पहले से ही कम या अधिक रक्तचाप की समस्या है तो वह डॉक्टर की सलाह के बाद ही इसका सेवन करें।

सूजन कम करने में है सहायक

स्पिरुलिना में सूजन कम करने वाले तत्व होते हैं, जो सूजन और जलन को कम करने में मदद करते हैं। यह गुण त्वचा की समस्याओं, जैसे एक्जिमा और सोरायसिस के लिए भी फायदेमंद हो सकता है। इसके अलावा यह गुण शरीर की अंदरूनी सूजन को भी कम करता है, जिससे कई बीमारियों का खतरा कम होता है। स्पिरुलिना का सेवन करने से आप स्वस्थ और ताजगी महसूस कर सकते हैं।



भारतीय महिला हॉकी टीम ने थाईलैंड को 20-1 से पीटा

दीपिका ने किये 9 गोल , नवनीत ने 4



गिफ्ट । ड्रैग-फ्लिकर दीपिका सहरावत के 9 गोलों की सहायता से भारतीय महिला हॉकी टीम ने एशियाई खेलों के अपने तीसरे मुकाबले में थाईलैंड को 20-1 से हराया। इस जीत के साथ ही भारतीय टीम ने टूर्नामेंट में अपनी अजेय बढ़त बरकरार रखी है। इस मैच में पूरे समय भारतीय खिलाड़ी हावी

रहीं। वहीं थाईलैंड की टीम बेबस नजर आयी। इस मैच में दीपिका ने अपने सभी नौ गोल पेनल्टी कॉर्नर के जरिए किये। दीपिका के अलावा, नवनीत कौर ने चार मैदानी गोल किये जबकि युवा खिलाड़ी ऋतुजा पिसाल ने हैट्रिक लगायी। कप्तान सलीमा टेटे, नेहा,

लालरेमसियामी और साक्षी राणा ने भी एक-एक गोल कर भारत के स्कोर को 20 तक पहुंचा दिया। मैच की शुरुआत से ही कोच जोर्ड मारिन की रणनीति के तहत भारतीय टीम ने बेहद आक्रामक रुख अपनाया। सीटी बजते ही भारतीय खिलाड़ियों ने थाईलैंड के हाफ

में दबाव बनाना शुरू कर दिया और शुरुआती गोलों से मैच के पहले ही क्वार्टर में भारत ने विरोधी टीम का मनोबल तोड़ दिया। भारतीय मिडफील्डर्स ने गेंद पर पूरा नियंत्रण बनाए रखा और फॉरवर्ड लाइन को लगातार सटीक पास दिए, जिससे गोल पर लगातार हमले जारी रहे। थाईलैंड की टीम को पहले तीन क्वार्टरों तक भारतीय गोलपोस्ट तक पहुंचने में भी संघर्ष करना पड़ा। हालांकि, मैच के चौथे क्वार्टर के आखिरी मिनटों में थाईलैंड को थोड़ी राहत मिली जब सुपांसा सामान्सो ने पेनल्टी कॉर्नर से एक सात्वना गोल दागने में सफलता पाई!

यह जीत एशियाई खेल 2026 में भारतीय महिला टीम के दबदबे को स्पष्ट करती है। भारत ने इससे पहले भी उज्बेकिस्तान को 19-0 और इंडोनेशिया को 17-1 से हराया था, जिससे टीम का गोल अंतर अब बेहद मजबूत हो गया है। लगातार तीन धमकेदार जीत दर्ज करने के बाद भारतीय टीम अब पूल-बी में शीर्ष स्थान पर मजबूती से काबिज है। इस बेहतरीन प्रदर्शन के बाद भारत का अगला मुकाबला शुक्रवार को मेजबान जापान से होगा, जिसे पूल स्टेज का सबसे अहम मुकाबला माना जा रहा है और यह सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए महत्वपूर्ण होगा।

शेफाली वर्मा आईसीसी रैंकिंग में चौथे स्थान पर पहुंचीं



अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की ताजा रैंकिंग में भारतीय महिला क्रिकेट टीम की सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा दो स्थान के लाभ के साथ ही चौथे स्थान पर पहुंच गयी है। शेफाली ने एशियाई खेलों में काफी अच्छा प्रदर्शन किया था जिसका लाभ उन्हें रैंकिंग के रूप में मिला है। शेफाली ने जापान के निशिन में बांग्लादेश के खिलाफ सेमीफाइनल मुकाबले में नाबाद 100 रन की पारी खेली थी।

ताजा रैंकिंग में शेफाली के अलावा अन्य भारतीय बल्लेबाजों की रैंकिंग में भी बदलाव आया है। अनुभवी सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना एक स्थान नीचे फिसलकर छठे स्थान पर आ गई हैं, जबकि कप्तान हरमनप्रीत कौर अपने 10वें स्थान पर बरकरार हैं, जो उनकी निरंतरता को

दिखाता है। वहीं गेंदबाजी रैंकिंग में भारतीय खिलाड़ियों का दबदबा बना हुआ है। श्री चरणी 799 रेटिंग अंकों के साथ शीर्ष स्थान पर विराजमान हैं, और उनके बाद दूसरे नंबर पर ऑलराउंडर खिलाड़ी दीप्ति शर्मा उनसे 70 अंक पीछे हैं। यह भारतीय गेंदबाजी आक्रमण की ताकत को उजागर करता है।

टीम की अन्य सदस्यों को भी उनके एशियाई खेलों के प्रदर्शन का अच्छा फायदा मिला है। क्रांति गौड़ 15 पायदान के फायदे से 57वें स्थान पर पहुंच गई हैं, जबकि नंदनी शर्मा ने 22 पायदान की लंबी छलांग लगाकर 72वां स्थान हासिल किया है। इन दोनों खिलाड़ियों ने अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ रेटिंग अंक (461 और 432) प्राप्त किए हैं, जो उनकी मेहनत और बेहतर खेल का प्रमाण है।

अभिषेक के नाम दर्ज हुआ 10 वीं बार गोल्डन डक होने का रिकार्ड

सानो । भारतीय क्रिकेट टीम के आक्रामक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा जापान के खिलाफ हुए मैत्री मैच में पहली ही गेंद पर आउट हो गये थे । इससे उनके नाम एक अनचाहा रिकार्ड जुड़ गया है । ये 10 वीं बार है जब अभिषेक इस साल पारी की पहली ही गेंद पर आउट (गोल्डन डक) हुए । इस मैच में कअभिषेक शर्मा वाली हारा – हिन्जे की पहली ही



गेंद पर स्वीप शॉट खेलने की कोशिश में अपना कैच थमा बैठे । ये गोल्डन डक इस साल के कैलेंडर वर्ष में सभी टी20 मुकाबलों में उनका दसवां शून्य स्कोर था । इस आंकड़े के साथ, अभिषेक एक कैलेंडर ईयर में टी20 क्रिकेट में 10 बार शून्य पर आउट होने वाले पहले बल्लेबाज बन गए हैं । उन्होंने इस मामले में अफगानिस्तान के राशिद खान और पाकिस्तान के शादाब खान को पीछे छोड़ दिया, जिन्होंने अपने – अपने कैलेंडर वर्ष में नौ – नौ डक दर्ज किए थे । राशिद ने 2019 में और शादाब ने 2024 में नौ – नौ बार बिना खाता खोले पवेलियन का

रास्ता देखा था, लेकिन अभिषेक ने जापान के खिलाफ इस रिकॉर्ड को ध्वस्त कर दिया । दिलचस्प बात यह है कि 2026 में अभिषेक के नाम दर्ज हुए कुल 10 डक में से पांच बार वह टी20 इंटरनेशनल में पहली ही गेंद पर पवेलियन लौटे हैं, जो अपने आप में एक और रिकॉर्ड की बराबरी है ।

आईसीसी टी20 रैंकिंग में फिर नंबर एक पर पहुंची भारतीय टीम

दुबई । अंतराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की टी20 रैंकिंग में एक बार फिर भारतीय क्रिकेट टीम नंबर एक पर पहुंच गयी है । जापान के खिलाफ मिली जीत के साथ ही भारतीय टीम ने टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में इंग्लैंड को पछाड़कर नंबर एक स्थान हासिल कर लिया है । इंग्लैंड ने हाल ही में शीर्ष स्थान हासिल किया था आईसीसी की ताजा टी20 रैंकिंग के अनुसार, भारत और इंग्लैंड दोनों ही 269 – 269 रेटिंग अंकों के साथ ही बराबरी पर हैं । हालांकि, भारतीय टीम बेहतर जीत प्रतिशत के साथ ही इंग्लैंड से आगे हो गयी है । इसी कारण उसे नंबर एक स्थान फिर मिला है । अंकों के मामले में भी भारतीय टीम का पलड़ा भारी है, उसके 17480 अंक हैं, जबकि इंग्लैंड के पास 11021 अंक हैं । यह भारतीय टीम के लगातार बेहतरीन प्रदर्शन का परिणाम है । शीर्ष पांच टीमों में भारत और इंग्लैंड के अलावा ऑस्ट्रेलिया 257 रेटिंग के साथ तीसरे स्थान पर है, जबकि न्यूजीलैंड 246 रेटिंग के साथ चौथे और दक्षिण अफ्रीका 243 रेटिंग के साथ पांचवें स्थान पर कायम है । इसके अलावा एशियाई खेलों में स्वर्ण विजेता भारतीय महिला क्रिकेट टीम भी टी20 रैंकिंग में शीर्ष – 5 में बरकरार है । एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतकर टीम 264 रेटिंग अंकों के साथ ही तीसरे स्थान पर है । वहीं महिला क्रिकेट में ऑस्ट्रेलियाई टीम 291 रेटिंग अंकों के साथ पहले स्थान पर मजबूत पकड़ बनाए हुए है

प्रकाशक, मुद्रक एवम् संपादक दीप्ति दुबे
द्वारा ए 1470, सेक्टर आई, एल.डी.ए. कॉलोनी, कानपुर रोड लखनऊ 226012 से प्रकाशित व तानु आफसेट, लालकृआं लखनऊ से मुद्रित। समस्त विवादों को लखनऊ की सक्षम अदालतों में निपटया जायेगा ।

टेलीफैक्स : 0522.3564414
फोन: 919839666352
आरएन.आई. UPHIN/2004/18844
डाकपंजीकरण :-
जी-2 /यूज पेपर / 59 / 2004-5
E-mail: lokhastakshep@gmail.com
संपादक : दीप्ति दुबे
स्थानीय संपादक : अजय अजय
संपादकीय सलाहकार: राधाकृष्णमिश्र

भारतीय पुरुष कबड्डी टीम एशियाई खेलों के सेमीफाइनल में पहुंची

बांग्लादेश को 48-25 से हराया

आइची । भारतीय पुरुष कबड्डी टीम ने बांग्लादेश को हराकर एशियाई खेलों के सेमीफाइनल में प्रवेश किया है। इससे भारतीय टीम का एक पदक पक्का हो गया है। टीम ने ग्रुप ए के अपने अहम मुकाबले में बांग्लादेश को 48-25 के बड़े अंतर से हराकर अंतिम चार में जगह बनायी। इसके अतिरिक्त, टीम ने बांग्लादेश को दो बार ऑलआउट करके अपनी स्थिति और पक्की कर ली। वहीं विरोधी टीम डिफेंस के लिए अंक जुटाना कठिन रहा। मैच के शुरुआती हिस्से में वे रेंडिंग से केवल 5 अंक और तीन बोनस अंक ही हासिल कर सके। एक सुपर टैकल के जरिए उन्हें एक अतिरिक्त अंक मुकाबले में भी भारतीय टीम शुरुआत से ही हावी रही और उसने अपने आक्रामक खेल से विरोधी पर लगातार दबाव बनाए रखा।

टीम ने मजबूत रेंडिंग और अनुशासित डिफेंस के बल पर पहले हाफ में ही एक बड़ी और निर्णायक बढ़त हासिल कर ली थी। भारतीय खिलाड़ियों ने अपनी सफल रेंड के जरिए 18 अंक जुटाए और सात बोनस अंक भी हासिल किए। इसके अतिरिक्त, टीम ने बांग्लादेश को दो बार ऑलआउट करके अपनी स्थिति और पक्की कर ली। वहीं विरोधी टीम डिफेंस के लिए अंक जुटाना कठिन रहा। मैच के शुरुआती हिस्से में वे रेंडिंग से केवल 5 अंक और तीन बोनस अंक ही हासिल कर सके। एक सुपर टैकल के जरिए उन्हें एक अतिरिक्त अंक मुकाबले में भी भारतीय टीम शुरुआत से ही हावी रही और उसने अपने आक्रामक खेल से विरोधी पर लगातार दबाव बनाए रखा।



विल जैक्स के ऑलराउंड प्रदर्शन से इंग्लैंड ने श्रीलंका को 89 रनों से हराया सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल की



डरहम । विल जैक्स के ऑलराउंड प्रदर्शन से मेजबान इंग्लैंड ने श्रीलंका को पहले टी20 मुकाबले में 89 रनों से हराकर तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है। जैक्स ने पहले बल्लेबाजी के दौरान 46 रन बनाए और बाद में अपनी घातक गेंदबाजी से पांच विकेट लेकर श्रीलंकाई बल्लेबाजी को ध्वस्त कर दिया। इस मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही। असिता

फर्नांडो ने टॉम बेंटन को एक बोल्ड कर पहला झटका दिया। हालांकि, अनुभवी बल्लेबाज जो रूट ने 44 रन और कप्तान हैरी ब्रुक ने 67 रन बनाकर पारी को संभाला। रूट ने पहले बेन डकेट के साथ 50 और फिर ब्रुक के साथ 68 रनों की अहम साझेदारियां कीं, जिससे इंग्लैंड की टीम 135-2 के मजबूत स्कोर तक पहुंच गया। लेकिन रूट के 44 रन पर आउट होने और ब्रुक के अर्धशतक के बाद, श्रीलंका के पदार्पण कर रहे मिस्ट्री स्पिनर सचिंद्र कोलंबेजे और

तेज गेंदबाजों ने मिलकर इंग्लैंड के मध्यक्रम को पूरी तरह से ध्वस्त कर दिया। ऐसे समय में जोस बटलर भी विफल रहे। मेजबान टीम ने महज 15.5 ओवरों के भीतर 65 रन जोड़कर अपने 6 बड़े विकेट गंवा दिए। ऐसे नाजुक मोड़ पर विल जैक्स ने मोर्चा संभाला और 47 गेंदों पर नाबाद 46 रनों की बहुमूल्य पारी खेली, जिससे इंग्लैंड का स्कोर 48.1 ओवर में 265 रनों तक पहुंच सका। इसके बाद 266 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंका की शुरुआत

न्यूजीलैंड के रचिन रवींद्र भारत के खिलाफ टी20 सीरीज से बाहर हुए, जैकब्स शामिल

ऑकलैंड । न्यूजीलैंड के ऑलराउंडर रचिन रवींद्र कंधे की चोट के कारण भारत के खिलाफ होने वाली आगामी पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज से बाहर हो गए हैं। यह चोट उन्हें पिछले सप्ताह एक प्रमोशनल शूट के दौरान लगी थी, जिसके चलते उन्हें करीब छह सप्ताह तक क्रिकेट से दूर रहना पड़ेगा। इसी कारण टी20 सीरीज में अब रचिन की जगह पर 24 साल के उभरते हुए क्रिकेटर बेवॉन जैकब्स को शामिल किया गया है। रवींद्र का बाहर होना टीम के लिए करारा झटका माना जा रहा है।



वहीं इसको लेकर टीम के मुख्य कोच रॉब वाल्टर ने कहा कि रवींद्र को एक बुरा एक्सिडेंट हुआ था, लेकिन अब वे काफी बेहतर महसूस कर रहे हैं। वाल्टर ने कहा कि टीम प्रबंधन उनके स्वास्थ्य पर कोई दबाव नहीं डालना चाहता और उनकी प्राथमिकता वनडे सीरीज के लिए उनकी उपलब्धता सुनिश्चित करना है, जो टी20 सीरीज के बाद होनी है। कोच ने उम्मीद जताई कि वह एकदिवसीय सीरीज के लिए पूरी तरह फिट हो जाएंगे।

कोच ने रचिन रवींद्र के चोटिल होने के अनाखे तरीके पर टिप्पणी करते हुए कहा, रचिन खुद को चोट पहुंचाने के लिए अनाखे तरीके ढूंढते हैं। मेरा मतलब है, ऐसी चीजें होती हैं, इसलिए सच कहूं तो मैं इसमें बहुत ज्यादा नहीं सोचता। यह टिप्पणी उनके खिलाड़ियों के साथ हल्के-फुल्के रिश्ते को दर्शाती है, लेकिन साथ ही यह भी बताती है कि टीम ऐसे अप्रत्याशित हादसों को

खेल का हिस्सा मानती है।

प्रमोशनल शूट के शेड्यूल पर उठे सवालों पर वाल्टर ने बचाव करते हुए कहा कि वे किसी बड़े टेस्ट या महत्वपूर्ण मैच से एक दिन पहले ऐसे प्रोमो काम नहीं करते। उनका मानना ​​था कि इसका समय बिल्कुल ठीक था और यह एक अजीब घटना थी जिसे रोका नहीं जा सकता था। उन्होंने इसे एक अजीब घटना बताया, जिसकी तुलना उन्होंने फुटपाथ पर फिसलने और टखना मुड़ने से की। वाल्टर ने जोर दिया कि खिलाड़ियों की सुरक्षा के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए गए थे और शायद इस घटना से कुछ सीखा गया होगा, लेकिन इसे बहुत गहराई से देखने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि ऐसी दुर्घटनाएं खेल का हिस्सा हैं और इन्हें वहीं रहने देना चाहिए जहां ये असल में हैं।

रवींद्र की अनुपस्थिति में, न्यूजीलैंड टीम में 24 वर्षीय जैकब्स को शामिल किया गया है। जैकब्स ने अब तक 11 टी20 मैचों की 9 पारियों में एक अर्धशतक के साथ कुल 183 रन बनाए हैं। उन्हें इस बड़े अवसर पर अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिलेगा।

भारत और न्यूजीलैंड के बीच टी20 सीरीज का आगाम 22 अक्टूबर से होगा। पांच मैचों की यह श्रृंखला दर्शकों के लिए रोमांचक मुकाबले लेकर आएगी। पहला मैच 27 अक्टूबर को, दूसरा 24 अक्टूबर को, तीसरा 27 अक्टूबर को, चौथा 30 अक्टूबर को और पांचवां तथा अंतिम मैच 1 नवंबर को खेला जाएगा।

एशियाई खेलों में भारतीय महिला स्कीट टीम को कांस्य पदक मिला



नगोया । भारतीय महिला स्कीट टीम ने यहां जारी एशियाई खेलों में तीसरे स्थान पर रहने के साथ ही देश के लिए कांस्य पदक जीता है। टीम में शामिल परिनाज धालीवाल, रंजिया छिल्लों और माहेश्वरी चौहान ने पदक जीतने के ही अपने प्रदर्शन से भी देश को गर्व करने का अवसर दिया। परिनाज धालीवाल, रंजिया छिल्लों और माहेश्वरी चौहान की तिकड़ी ने स्कीट टीम स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन तीन दिनों के क्वालिफिकेशन राउंड के बाद, इन एथलीटों ने कुल 331 का स्कोर दर्ज करने के साथ ही तीसरा स्थान हासिल किया, जिससे पदक के लिए उनकी दावेदारी पुख्ता हुई। इस स्पर्धा में स्वर्ण पदक चीन की चे यूफेई, जियान यिटिंग और जियांग चाओयू की टीम ने जीता, जिन्होंने कुल 347 अंक हासिल किए। वहीं, कजाकिस्तान की असेम ओरिनबे, जोया पिस्कून और एडेल सदाकबायेवा की टीम ने 336 अंकों के साथ रजत पदक जीता। इस बीच, एशियाई खेलों में भारत को सॉफ्ट टेनिस में अपना पहला ऐतिहासिक पदक मिलने की गारंटी हो गई है। जय मीना ने पुरुषों के एकल वर्ग के क्वार्टर-फाइनल में फिलीपींस के शेरविन नुगुइट पर

शानदार वापसी करते हुए यह उपलब्धि हासिल की। एक रोमांचक मुकाबले में, जहाँ स्कोर 3-3 से बराबरी पर था, मीना निर्णायक गेम में 3-5 से पीछे चल रहे थे। उन्होंने अद्भुत धैर्य और कौशल का प्रदर्शन करते हुए अगले चार पॉइंट लगातार जीते और क्वार्टर-फाइनल को 4-3 से अपने नाम किया, जिससे उन्होंने अंतिम चार में अपनी जगह बनाई। सेमीफाइनल में, जय मीना का सामना जापान के ताकतुा कुरोसुका और चीनी ताईपे के यू-सुंग चांग के बीच होने वाले क्वार्टर फाइनल के विजेता से होगा। सॉफ्ट टेनिस के नियमों के अनुसार, सेमीफाइनल में हारने वाले खिलाड़ी भी कांस्य पदक के हकदार होते हैं, जबकि विजेता स्वर्ण पदक के लिए प्रतिस्पर्धा करते हैं। इस नियम के तहत, जय मीना ने कम से कम कांस्य पदक तो सुनिश्चित कर ही लिया है, जो देश के लिए एक नई उपलब्धि है।

इन पदकों के साथ, भारतीय दल मौजूदा पदक तालिका में फिलहाल 1 स्वर्ण, 4 रजत और 3 कांस्य पदक सहित कुल 8 पदकों के साथ आठवें स्थान पर है।

